राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार, 26 अप्रैल 2022 वर्ष–4,अंक–90 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली-एनसीआर में मिल सकती है लू से मामूली राहत

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में गरमी से राहत मिलने की फिलहाल कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही है। मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले दिनों में दिल्ली में तापमान बढ़ने का अनुमान है। मौसम विभाग का कहना है कि दिल्ली में 28 अप्रैल से भीषण लू चलने की संभावना है। राजधानी में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। दिल्ली में आज आंशिक तौर पर छाए रहेंगे बादल, बादलों की गड़गड़ाहट के साथ कहीं कहीं बूंदाबांदी भी होने के आसार है। आज अधिकतम तापमान 41 एवं न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस रह सकता। मंगलवार को भी कमोबेश ऐसा ही मौसम रहेगा। इसके बाद आसमान साफ रहेगा। तापमान में भी हर दिन इजाफा होने के आसार है। मौसम विभाग ने 28, 29 और 30 अप्रैल के लिए यलो अलर्ट जारी किया है।

44 डिग्री सेल्सियस को छू सकता है दिल्ली में पारा

मौसम विभाग ने पूर्वानुमान जताया है कि अगले पांच दिनों के दौरान उत्तर पश्चिम भारत के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान तीन से पांच डिग्री सेल्सियस बढ़ सकता है। उसने कहा कि दिल्ली में बृहस्पतिवार तक पारा 44 डिग्री के स्तर को छू सकता है। दिल्ली के आधार स्टेशन सफदरजंग वेधशाला ने रविवार को अधिकतम तापमान 39.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो साल के इस समय के लिए सामान्य से दो डिग्री कम है। साफ आसमान के बीच सोमवार को पारा 40 डिग्री के पार पहुंचने और बृहस्पतिवार तक धीरे-धीरे 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है। पंजाब में भीषण गर्मी की मार झेल रहे लोगों के लिए सोमवार का दिन राहत लेकर आ सकता है। मौसम विभाग के अनुसार राज्य के कई जिलों में सोमवार से धूल भरी आंधी चलने के साथ ही बारिश और गरज के साथ छींटे पड़ सकते हैं।

चीन के BRI की काट करेगा भारत का TDC फंड, विदेश मंत्रालय ने किया लॉन्च

नई दिल्ली। चीन के बेल्ट ऐंड रोड इनिशिएटिव की काट के लिए भारत ने भी बड़ी तैयारी कर ली है। विदेश मंत्रालय ने ट्राइलेटरल डिवेलपमेंट कॉरपोरेशन (टीडीसी) फंड लॉन्च किया है। इसके जरिए हिंद-प्रशांत महासागर क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश करने की तैयारी है। खास बात यह है कि इस प्रोजेक्ट में सरकार निजी सेक्टर की कंपनियों को भी शामिल करने वाली है। इन कंपनियों के साथ मिलकर सरकार भी बड़ा निवेश करेगी। इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के अलावा अन्य क्षेत्रों में भी इस फंड के जरिए निवेश किया जाएगा। बता दें कि चीन ने बीआरआई प्रोजेक्ट के जरिए पाकिस्तान, अफगानिस्तान के रास्ते यूरोप तक जाने का प्लान बनाया है। इसी के तहत वह चीन पाकिस्तान इकनॉमिक कॉरिडोर को तैयार कर रहा है, जिस पर भारत ने ऐतराज जताया था। यह कॉरिडोर पाकिस्तान अधिकृत

कश्मीर से गुजरता है, जिसे भारत अपना हिस्सा मानता है। इकनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक यूके के साथ मिलकर शुक्रवार को भारत ने इंडिया ग्लोबल इनोवेशन पार्टनरशिप लॉन्च किया है। यह भी सरकार के टीडीसी फंड का ही हिस्सा माना जा रहा है।। पीएम नरेंद्र मोदी और बोरिस जॉनसन की मौजूदगी में इस प्रोजेक्ट को लॉन्च किया गया है। कहा जा रहा है कि टीडीसी फंड के जरिए भारत की ओर से जापान, जर्मनी, फ्रांस और यूरोपियन यूनियन के साथ मिलकर काम किया जाएगा। भारत की ओर से ग्लोबल इनोवेशन पार्टनरशिप में जो निवेश किया जाएगा,

● इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के अलावा अन्य क्षेत्रों में भी इस फंड के जरिए निवेश किया जाएगा। बता दें कि चीन ने बीआरआई प्रोजेक्ट के जरिए पाकिस्तान, अफगानिस्तान के रास्ते यूरोप तक जाने का प्लान बनाया है। इसी के तहत वह चीन पाकिस्तान इकनॉमिक कॉरिडोर को तैयार कर रहा है, जिस पर भारत ने ऐतराज जताया था।

वह टीडीसी फंड के जरिए होगा।

यही नहीं जीआईपी के जरिए अफ्रीका, एशिया और इंडो-पैसेफिक में निवेश किया जाएगा। खासतौर पर उन स्थानों पर निवेश को बढ़ाया जाएगा, जहां भारतीय कंपनियों पहले से निवेश करती रही हैं। गौरतलब है कि पीएम नरेंद्र मोदी अकसर यह बात दोहराते रहे हैं कि भारतीय स्टार्टअप्स को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निवेश करना चाहिए। माना जा रहा है कि जीआईपी के जरिए इस लक्ष्य को आसानी से हासिल किया जा सकेगा। विदेश मंत्रालय लंबे समय से ऐसे प्रोजेक्ट पर विचार कर रहा था, जिसके तहत भारतीय कंपनियों को विदेशों में निवेश के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। ग्लोबल इनोवेशन पार्टनरशिप के जरिए भारत के 60 स्थानों पर निवेश को मदद मिलेगी, जो तीसरी दुनिया के देशों में किए गए हैं।

चीन के कर्ज से डरे हैं देश, भारत देगा नया संदेश

गौरतलब है कि चीन के बेल्ट ऐंड रोड इनिशिएटिव में शामिल होने को लेकर अब कई देशों में हिचक देखी जा रही है। पाकिस्तान और श्रीलंका जैसे देशों के चीन के कर्ज तले दबने की वजह से अन्य देश ड्रैगन के निवेश से बच रहे हैं। इसके अलावा आर्थिक गतिविधियों के जरिए चीन के साम्राज्यवादी विस्तार को लेकर भी तमाम देश चिंतित हैं।

हंसखली सामूहिक दुष्कर्म, हत्या मामले में सीबीआई ने 3 को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने सोमवार को कहा कि उसने पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के हंसखाली में 14 वर्षीय लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म और हत्या के मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।सीबीआई के एक अधिकारी ने कहा, जांच के दौरान कथित तौर पर आरोपियों की भूमिका का पता चला है और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपी को सक्षम अदालत में पेश किया जाएगा।

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने 12 अप्रैल को सच्चाई सामने लाने के लिए मामले की सीबीआई जांच का आदेश दिया था।इससे पहले स्थानीय पुलिस मामले की जांच कर रही थी।सीबीआई ने जांच अपने हाथ में लेने के बाद एक नया मामला दर्ज किया और मामले की जांच के लिए कुलीन अधिकारियों की एक टीम का गठन किया।

अनुसूचित जाति से ताल्लुक रखने वाली 14 वर्षीय पीड़िता ने 4 अप्रैल को पेट के निचले हिस्से में तेज दर्द होने की सूचना दी। 5 अप्रैल को उसकी मौत हो गई। मौत का कारण अत्यधिक रक्तस्राव बताया जा रहा है। विडंबना यह रही कि बिना पोस्टमार्टम और डेथ सर्टिफिकेट के ही उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया।

10 अप्रैल को इस संबंध में हंसखाली थाने में पीड़िता के परिजनों द्वारा राजकीय चाइल्ड लाइन के

सहयोग से प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। आरोपी और उसके परिवार की धमकियों के चलते शुरू में परिजन सामने नहीं आ रहे थे।परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि वह आरोपी के घर जन्मदिन की पार्टी में शामिल होने गई थी, जहां उसे नशीला पदार्थ पिलाया गया था। नशे में धुत होने के बाद आरोपी और उसके साथियों ने उसके साथ कथित तौर पर दुष्कर्म किया।

लखीमपुर खीरी हिंसा: आज कोर्ट में पेश होंगे आशीष, आरोप तय करने की होगी कार्यवाही

लखीमपुर। रविवार को जेल गए आशीष को अब 26 अप्रैल को जिला जज की कोर्ट में पेशी पर लाया जाएगा। मंत्री पुत्र आशीष मिश्र के मुकदमे की सुनवाई जिला जज की कोर्ट में 26 अप्रैल को होनी है। मामले में आरोप तय किये जाने हैं। आशीष मिश्र ने खुद को निर्दोष बताते हुए आरोपों से उन्मोचित करने की अर्जी दी थी। इस पर अभियोजन को आपत्ति दाखिल करनी है। इसलिए मंगलवार को अभियोजन आशीष मिश्र की डिस्चार्ज अर्जी पर अपनी आपत्ति दाखिल कर सकता है। तिकुनिया हिंसा में दर्ज कराये गए पहले मुकदमे में एसआईटी ने तीन जनवरी को आरोप पत्र सीजेएम कोर्ट में दाखिल कर दिया था। सीजेएम ने आरोपियों को नकलें देने के बाद दस जनवरी को मुकदमा सेशन कोर्ट कमिट कर दिया था। इसके बाद एसआईटी ने खीरी कांड के दूसरे मुकदमे में 21 जनवरी को सीजेएम कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी और सीजेएम ने एक फरवरी को यह मुकदमा भी सेशन कोर्ट कमिट कर दिया। जिला जज मुकेश मिश्र की कोर्ट में दोनों मुकदमे आने के बाद तीन मार्च से दोनों मुकदमों की सुनवाई एक साथ शुरू हुई। तीन मार्चए सोलह मार्चए तीस मार्च और 12 अप्रैल को दोनों मुकदमों की सुनवाई एक साथ हुई। लेकिन 12 अप्रैल को सुनवाई करते हुए जिला जज मुकेश मिश्रा ने दोनों मुकदमो की सुनवाई अलग अलग करने का निर्णय लिया। अब पहले मुकदमे की सुनवाई 26 अप्रैल को होगी। इसी मुकदमे में आशीष मिश्र आरोपी है। जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी अरविंद त्रिपाठी ने बताया कि आशीष मिश्र समेत 14 आरोपियों पर आरोप तय करने के संबंध में सुनवाई होगी जिसमें आरोपियों कोर्ट में रहना आवश्यक है। दोनों मुकदमे एक साथ सुनवाई करने पर सभी आरोपियों को एक साथ कोर्ट में मौजूद रहना होगा।

● मामले में आरोप तय किये जाने हैं। आशीष मिश्र ने खुद को निर्दोष बताते हुए आरोपों से उन्मोचित करने की अर्जी दी थी। इस पर अभियोजन को आपत्ति दाखिल करनी है। इसलिए मंगलवार को अभियोजन आशीष मिश्र की डिस्चार्ज अर्जी पर अपनी आपत्ति दाखिल कर सकता है।

महाराष्ट्र में लाउडस्पीकर विवाद पर रखी सर्वदलीय बैठक में नहीं जाएंगे राज ठाकरे

मुंबई। महाराष्ट्र में लाउडस्पीकर विवाद बढ़ता ही जा रहा है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना चीफ राज ठाकरे महाराष्ट्र की ऑल पार्टी मीटिंग में नहीं जाएंगे, बता दें कि यह मीटिंग लाउडस्पीकर विवाद पर चर्चा के लिए रखी गई है। जिसमें शामिल होने से राज ठाकरे ने मना कर दिया है। राज ठाकरे के ना आने पर स्न्हस नेता संदीप देशपांडे ने बयान दिया है। बताया गया है कि MNS नेता संदीप देशपांडे, बाला नंदगांवकर और नितिन सरदेसाई इस सर्वदलीय मीटिंग में शामिल होंगे।

बता दे कि इससे पहले राज ठाकरे ने प्रदेश सरकार से

मस्जिदों के लाउडस्पीकर हटाए जाने की मांग की थी। उन्होंने चेतावनी दी थी कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो वह लाउडस्पीकर पर हनुमान चालीसा का पाठ करना शुरू कर देंगे, राज ठाकरे ने कहा था कि अगर 3 मई तक सभी मस्जिदों से लाउडस्पीकर नहीं हटाए गए तो वह खुद इन्हें हटाना शुरू कर देंगे।

ठाकरे ने आगे कहा था कि वह किसी विशेष धर्म की प्रार्थना के खिलाफ नहीं है, लेकिन उन्हें सिर्फ अपने धर्म पर ही गर्व है। राज ठाकरे का बयान ऐसे समय में आया है जब मुस्लिम समुदाय का सबसे पाक माने जाने वाला महीना रमजान चल रहा है।

कोरोना महामारी के बाद भी भारत ने कृषि निर्यात में 50 अरब अमेरिकी डालर के उच्चतम स्तर को छुआ

नई दिल्ली। देश के कृषि निर्यात में उच्च स्तर पर बढ़ोतरी देखी जा रही है। यह बढ़ोतरी ऐसे समय देखी जा रही है, जब पूरा देश कोरोना महामारी के कारण विभिन्न चुनौतियों से लड़ रहा था और पूरा देश बंद था, तब भी हमारी कृषि उत्पादों में वृद्धि पाई गई। इस उपलब्धि पर वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारियों ने रविवार को कहा कि वाणिज्य विभाग द्वारा भारत को दुनिया के लिए खाद्य टोकरी में बदलने के लिए उठाए गए कई कदमों के माध्यम से कृषि निर्यात के 50 अरब अमरीकी डालर के उच्चतम अंक तक पहुंचने की उपलब्धि हासिल की गई। वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि पिछला उच्चतम चिह्न 2013-14 में 43 बिलियन अमरीकी डालर था, जिसके बाद निर्यात में एक प्रकार की गिरावट देखी गई और 2016-17 तक इस आंकड़े में 10 बिलियन अमरीकी डालर की कमी आई, जिसके बाद विभाग वाणिज्य विभाग ने कृषि निर्यात में कमी के चार मुख्य कारणों की पहचान की।

बुनियादी ढांचे में किया गया सुधार

अधिकारियों ने कहा, 'पहले, कृषि उपज के उत्पादन और निर्यात के बीच एक डिस्कनेक्ट था। दूसरा, राज्य सरकार और किसान निर्यातोन्मुख उत्पादन की अवधारणा से अच्छी तरह परिचित नहीं थे।' पीयूष गोयल के नेतृत्व वाले मंत्रालय ने यह भी पाया कि राज्य केवल केंद्र सरकार के डोमेन के रूप में निर्यात ले रहे थे और राज्य सरकारों के साथ कृषि निर्यात बुनियादी ढांचे और विशेषज्ञता की कमी भी थी। वाणिज्य विभाग ने इन मुद्दों को हल करने के लिए एक योजना तैयार की और पहली बार न केवल राज्यों बल्कि जिला और ग्राम स्तर के किसानों तक भी पहुंचा।

किसानों को किया जागरूक

अधिकारियों ने कहा, हमारे अधिकारियों ने जागरूकता फैलाई और किसानों को सूचित किया कि अगर अतिरिक्त कृषि उपज होगी, तो भारत सरकार इसका निर्यात करेगी क्योंकि सरकार कृषि और उससे जुड़े क्षेत्रों की मदद करना चाहती है क्योंकि वे भारत में आजीविका का सबसे बड़ा स्रोत प्रदान करते हैं। अधिकारियों ने कहा कि कृषि क्षेत्र में निर्यात कोविड वैश्विक महामारी के बावजूद बढ़ा है, जहां वैश्विक स्तर पर भोजन की मांग बढ़ गई थी, लेकिन तालाबंदी के मुद्दों ने कार्यालयों और सड़कों को बंद कर दिया था।

योगी सरकार का एक महीना पूरा, 30 दिन में लिए ये 30 बड़े फैसले

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार 2.0 का एक महीना आज पूरा हो गया है। पिछले एक महीने में सरकार ने अपने चुनावी वादों को पूरा करने और आम आदमी की बेहतरी के लिए कई बड़े फैसले लिए हैं। योगी सरकार की इस तेजी को कुछ लोग मिशन 2024 से जोड़कर देख रहे हैं तो कुछ कह रहे हैं कि पिछले कार्यकाल में भी सीएम योगी ने इसी तेजी से काम किया जिसका नतीजा 2022 के विधानसभा चुनाव में दोबारा प्रचंड बहुमत के रूप में देखने को मिला है। सरकार एक बार फिर उसी जोश के साथ आगे बढ़ चली है।

1-कमान संभालते ही किया मुफ्त राशन योजना का विस्तार

योगी आदित्यनाथ ने दोबारा यूपी की कमान सम्भालते ही सबसे पहले अगले तीन महीने के लिए मुफ्त राशन योजना के विस्तार का फैसला लिया। कैबिनेट बैठक में इस पर मुहर लगने के बाद उन्होंने जनता को सम्बोधित करते हुए कहा कि इससे प्रदेश के 15 करोड़ लोगों को लाभ मिलेगा।

2-निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ाने की कोशिश

सरकार पहले ही दिन से प्रदेश में निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ाने में जुटी है। कहा गया कि अगले दो साल के अंदर प्रदेश में ग्लोबल इन्वेस्टर समिट होगी जिसका लक्ष्य 10 लाख करोड़ रुपए निवेश का होगा।

3-भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान

अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत में ही योगी आदित्यनाथ ने संदेश देने की कोशिश की है कि सरकारी तंत्र में भ्रष्टाचार, लापरवाही और जनहित की अनदेखी को कतई स्वीकार नहीं किया जाएगा। शुरुआत में ही डीएम सोनभद्र और एसएसपी गाजियाबाद के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई करके सरकार ने इसका संदेश भी दे दिया। डीएम औरैया सुनील वर्मा को भी सस्पेंड कर दिया गया। इसके साथ ही पहले महीने में ही दो सौ करोड़ से ज्यादा की अवैध सम्पत्ति ध्वस्त या जब्त की गई है। इसमें 25 माफिया डीजीपी दफ्तर और आठ शासन की ओर से चिन्हित किए गए थे।

4-पुलिस बल की मजबूती

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पुलिस बल की मजबूती पर खासतौर पर ध्यान दे रहे हैं। उनके निर्देश पर पुलिस बल के लिए 86 राजपत्रित और 5295 अराजपत्रित नए पदों को शासन ने मंजूरी दी है।

5- सात से 15 मिनट में रिस्पांस करेगा सिस्टम

योगी आदित्यनाथ सरकार राज्य की सभी तहसीलों में फायर टेंडर की सुविधा उपलब्ध कराने जा रही है। इसके तहत शहरी क्षेत्र में अधिकतम सात मिनट और ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकतम 15 मिनट का रिस्पांस टाइम सुनिश्चित किया जाएगा।

6-महिला सुरक्षा को लेकर विशेष अभियान

प्रदेश में एंटी रोमियो स्क्वॉड को दोबारा शुरू कर दिया गया है। नवरात्रि के पहले दिन से महिला सुरक्षा को लेकर विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

7-जनता दर्शन की वापसी

जनता की समस्याओं के समाधान के लिए मुख्यमंत्री आवास पर एक बार फिर जनता दर्शन की शुरुआत कराई गई है। इसमें हर दिन सरकार के एक मंत्री की मौजूदगी हो रही है।

8-लगातार समीक्षा कर रहे हैं सीएम योगी

सीएम योगी लगातार जिलों का दौरा कर विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर रहे हैं। इस क्रम में वह गोरखपुर, वाराणसी और मिर्जापुर का दौरा कर चुके हैं।

9-मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रावस्ती से स्कूल चलो अभियान की शुरुआत की। सीएम योगी ने कहा कि इस बार अभियान के तहत कम साक्षरता वाले जिलों पर खासतौर पर फोकस किया जाएगा।

10-यूपी बोर्ड परीक्षा में अंग्रेजी का पेपर लीक होने पर सरकार ने सख्ती दिखाते हुए बलिया के डीआईओएस को सस्पेंड और गिरफ्तार कर लिया। कई अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

11-पिछले एक महीने में सौ से ज्यादा अपराधियों और माफियाओं की सम्पत्ति पर बुलडोजर चलाया गया है।

12-मुख्यमंत्री ने बारी-बारी सभी विभागों का प्रजेंटेशन देखा। मंत्रियों से अपने-अपने विभागों की सौ दिन की कार्ययोजना तैयार करने को कहा गया।

13-चुनावी वादों को पूरा करने के क्रम में सरकार 9.74 लाख टैबलेअ और स्मार्टफोन वितरण के लिए प्रक्रिया शुरू कर चुकी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार मनुष्य अपने जन्म से नहीं बल्कि अपने कर्म से महान बनता है। - चाणक्य

संपादकीय

कोरोना से जंग जारी

इसमें कोई शक नहीं कि कोरोना वैक्सीन ने महामारी की रोकथाम की दिशा में बेहतर काम किया है। दुनिया के 5.12 अरब लोगों मतलब 66.7 प्रतिशत आबादी को टीके की कम से कम एक खुराक मिल चुकी है। दुनिया के 60 प्रतिशत लोगों का पूरी तरह से टीकाकरण हो चुका है और 24 प्रतिशत लोग बूस्टर डोज प्राप्त कर चुके हैं। यह भी अपने आप में रोचक है कि दुनिया में सबसे अव्वल संयुक्त अरब अमीरात में 99 प्रतिशत लोगों का पूर्ण टीकाकरण हो चुका है, जबकि बुरुंडी और कोंगो जैसे देशों में एक प्रतिशत लोग भी पूरी तरह से टीकाधारी नहीं हुए हैं। भारत में 62 प्रतिशत लोगों को दोनों खुराक मिल चुकी है और लगभग दो प्रतिशत लोग बूस्टर खुराक वाले होने वाले हैं। भारत में इन दिनों एक ओर, कोरोना के बढ़ते मामलों की चर्चा है, वहीं दूसरी ओर, पांच साल से 11 साल के बच्चों को कोरोना वैक्सीन देने की तैयारी भी चल रही है। ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया के विशेषज्ञ पैनल ने 5 से 11 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए वैक्सीन के आपातकालीन उपयोग की सिफारिश कर दी है। हैदराबाद स्थित फर्म बायोलॉजिकल-ई द्वारा विकसित कॉर्बेवैक्स कोविड-19 के खिलाफ भारत का पहला स्वदेशी रूप से विकसित आरबीडी प्रोटीन सब-यूनिट वैक्सीन है। गौर करने की बात है कि इस साल 16 मार्च से 12 से 14 साल के बच्चों को कॉर्बेवैक्स ही दिया जा रहा है। वैसे बच्चों के टीकाकरण में अमेरिका आगे चल रहा है। वहां बीते दिसंबर में ही पांच से ज्यादा उम्र के बच्चों का टीकाकरण शुरू हो गया था और जून महीने के बाद पांच साल से कम उम्र के बच्चों को भी टीका मिलने लगेगा। ब्रिटेन में पांच साल से ज्यादा उम्र के उन्हीं बच्चों को टीका लग रहा है, जो शारीरिक रूप से कमजोर हैं। भारत में बच्चों को टीका लगाना जरूरी हो गया है, क्योंकि स्कूल खुल चुके हैं और उनका टीकाकरण व्यापक रूप से जरूरी हो गया है। पिछले सप्ताह में कोरोना मामलों में वृद्धि हुई है और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के अलावा अनेक इलाकों में मास्क की वापसी हो गई है। संक्रमण की इस नई वापसी को लेकर चिंता बनी हुई है। अभी एशिया और यूरोप के कई देशों में कोरोना की चौथी लहर ने तनाव पैदा कर रखा है। इस बार कोरोना के ओमीक्रोन बीए1, बीए2 और एक्सई वेरिएंट्स के मामले ज्यादा हैं। मरीजों की स्थिति ज्यादा बिगड़ नहीं रही है, लेकिन संक्रमण की क्षमता बहुत ज्यादा है। संक्रमण तेजी से फैल रहा है, नतीजा यह है कि चीन ने अपने अनेक शहरों में लोगों को खिड़की खोलने से भी मना कर रखा है। कोरोना को कतई हल्के से नहीं लेना चाहिए। दुनिया में अपने लोगों को सबसे ज्यादा खुराक देने वाला चीन भी आश्वस्त नहीं है, उसे 3.32 अरब खुराक के इस्तेमाल के बावजूद बेहद कड़े लॉकडाउन की जरूरत पड़ गई है, तो संक्रमण के खतरे को समझा जा सकता है। अपने लोगों को सबसे ज्यादा खुराक देने के मामले में भारत दुनिया में दूसरे स्थान पर है। 1.87 अरब खुराक देने वाले भारत को कतई आश्वस्त नहीं होना चाहिए। कोरोना विचित्र बीमारी है, वैज्ञानिक अभी भी इसे पूरी तरह पहचान नहीं पा रहे हैं। इंग्लैंड में एक व्यक्ति 505 दिनों तक कोरोना पॉजिटिव रहने के बाद दुनिया से गया है। यह कैसी महामारी है, लोगों को अलग-अलग शिकंजे में जकड़ रही है। अतः इस जंग को अभी खत्म न मानते हुए वैज्ञानिक अनुसंधान, दवा व वैक्सीन विकास पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है।

क्यों बिगाड़ा जा रहा है साम्प्रदायिक सौहार्द!

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

जाति और धर्म के नाम पर सौहार्द बिगाडने का कार्य अंग्रेजों की फूट डालने की नीति से शुरू हुआ था, जो आज तक भी जारी है। इससे न केवल लोगों में दूरी बढ़ी है, बल्कि यह हमारी राष्ट्रीय एकता व अखंडता को भी नुकसान पहुंचा रहा है। इसके कारण लोकतांत्रिक तथा धर्मनिरपेक्ष मूल्य शिथिल होते जा रहे हैं। देश में कुछ विघटनकारी तत्व राष्ट्रीय हितों की अपेक्षा धार्मिक और जातिगत विषयों को अधिक महत्त्व दे रहे हैं। सामाजिक और आर्थिक पिछड़ेपन के कारण राजनीतिक दल जनता को धर्म व जाति के नाम पर भड़काने का काम करते हैं और वोट पा जाते है,जिसका नुकसान भोली भाली जनता को ही अंततः भुगतना पड़ता है। सरकार की उदासीनता के कारण सामान्य घटना भी साम्प्रदायिक दंगों का रूप ले लेती है। जातीय तथा धार्मिक कट्टरपन सांप्रदायिक सौहार्द बिगाडने के साथ देश की नीतियों, निर्णयों तथा प्रगति को प्रभावित करता है। हमारे देश में धर्म और जाति की जड़ें काफी गहरी है । राजनेता इसका दुरुपयोग कर देश में जाति और धर्म के नाम पर वैमनस्यता फैला कर अपनी राजनीति चमकाने की कोशिश करते रहे है और सफल भी होते रहे है।वर्तमान में भी यही हो रहा है। जाति और धर्म के नाम पर राजनीतिक नियुक्तियां, टिकट वितरण, सरकार द्वारा दबाव में आपराधिक प्रकरणों को वापस लेना तथा जानबूझकर कर वर्ग विशेष को निशाना बनाकर समाज मे अलगाव की खाई पैदा करने की कौशिश देश और समाज के लिए नासूर बनती जा रही है।राजनीतिक दल अपने वोट बैंक के लालच में सामाजिक और धार्मिक सौहार्द को पनपने ही नहीं देते।वर्तमान समय में विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा अपने राजनीतिक लाभ की पूर्ति के लिए धार्मिक और जातीय सौहार्द बिगाड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं । योजनाबद्ध तरीके से भारत में सांप्रदायिकता को बढ़ावा दिया जा रहा है। धार्मिक और जातीय सौहार्द को बिगाडने के प्रयास में कुछ लोगों के साथ कई नेता भी शामिल हैं। ये नेता वैमनस्यता फैलाकर अपनी राजनीति की रोटियां सेकने का प्रयास कर रहे हैं और आम लोग उनके झांसे में आ रहे हैं। ये नेता तो वोट की घिनौनी राजनीति के अपने काम में सफल हो जाते हैं, लेकिन देश का नुकसान हो जाता है। आजकल के नेता धार्मिक जातीय भावनाओं को बिगाड़ कर अपना उल्लू सीधा करने में लगे हुए हैं। वे धर्म के नाम पर फूट डालो राज करो की नीति अपनाने से भी पीछे नहीं हटते। ऐसे में यह हमारा स्वयं का दायित्व बनता है कि हम देश की एकता व अखंडता के लिए साम्प्रदायिक सौहार्द बनाने के लिए आगे आए। हमारे समाज और हमारे देश के हित में क्या है, इसका निर्णय हमें स्वयं विवेक से लेना चाहिए। धर्म का अर्थ क्या है? सबसे पहले तो हमें इसकी सही परिभाषा का ज्ञान होना चाहिए , तभी हम जाति और धर्म के ऊपर उठकर एक स्वस्थ और सौहार्दपूर्ण वातावरण युक्त देश का निर्माण कर पाएंगे।हमारे देश में सभी धर्मों व जातियों के लोग मिलजुलकर रहना चाहते हैं, परन्तु ओछी व घटिया राजनीति के कारण नेता वोट बैंक की राजनीति कर सामाजिक वातावरण बिगाड़ देते हैं। ये नेता आम जनता को धर्म व जाति के नाम पर भड़काते हैं। जनता उनके बहकावे मे आकर लड़ती है। जनता को नेताओं की कुटिल राजनीति समझ नहीं आती।अनेकता में एकता हमारे देश की और संविधान की खूबसूरती है। मुश्किल यह है कि भारत में राजनीतिक दलों का लक्ष्य मात्र सत्ता हासिल करना रह गया है, जो बिना वोट बैंक के संभव नहीं है। सकारात्मक राजनीति के दिन लद गए और नकारात्मक सोच की राजनीति हावी हो चुकी है। नेता आज भी अंग्रेजों की कूटनीति 'फूट डालो और राज करो का अनुसरण कर रहे हैं।पिछले कुछ बरसों से नेताओं ने आपसी सौहार्द को बिगाड़ने में अहम भूमिका निभाई है। नेताओं ने सत्ता के लालच में और सत्ता के सहारे पैसा बनाने के चक्कर में समाज को धर्म और जातीय आधार पर बांट दिया है। नेताओं ने धर्म-जाति को आधार बना कर दल बना लिए। 'वोट-बैंक' की वजह से देश के सौहार्दपूर्ण जीवन में उथल पुथल मची हुई है। धार्मिक और जातीय विद्वेष के चलते हिंसा भी हो रही है। धार्मिक और जातीय सौहार्द को बनाए रखने के लिए राजनीति में सुधार जरूरी है।विविधतापूर्ण संस्कृति वाले हमारे देश में अक्सर राजनीतिक लाभ लेने के लिए धार्मिक तथा जातीय सौहार्द की भेंट चढ़ा दी जाती है। राजनीतिक दल वोट बैंक के लिए समाज का धार्मिक तथा जातीय आधार पर ध्रुवीकरण करते हैं। चुनावों में लाभ उठाने के लिए इस तरह के मुद्दे जनता के बीच उठाते हैं। देश में धार्मिक तथा जातीय सौहार्द को बनाए रखने के लिए राजनीति के शुद्धीकरण के साथ-साथ जन जागरूकता भी अत्यावश्यक है।नेता अपने वोट और स्वार्थ के लिए धार्मिक और जातीय सौहार्द बिगाड़ते हैं जिसका खमियाजा बेकसूर लोगों को भुगतना पड़ता है। जनता को इन लोगों के बहकावे में नहीं आना चाहिए।तभी हम अपने देश व समाज को नफरत व हिंसा की आग से बचा सकते है। देश में विभिन्न जातियों और धर्मों के लोग सामंजस्य के साथ रहते हैं। वही विभिन्न धार्मिक समूहों और समुदायों द्वारा इस सामंजस्य को कई बार परेशान किया जाता है। जो चिंताजनक है।भारत एक बहु-धार्मिक और बहु-भाषी भूमि है।विभिन्न धर्मों से संबंधित लोग यहां सद्भाव में रहते हैं। विभिन्न त्यौहार, होली, दिवाली, ईद या क्रिसमस, समान उत्साह के साथ मनाए जाते हैं। लेकिन कुछ धार्मिक समूहों के बीच मतभेदों के कारण सांप्रदायिक सद्भाव कई बार बाधित हो जाता है। हमारे देश का संविधान अपने नागरिकों को उनकी पसंद के किसी भी धर्म का अभ्यास करने की स्वतंत्रता देता है। उनके पास अपना धर्म बदलने की स्वतंत्रता भी है, अगर वे चाहें तो। राज्य का कोई आधिकारिक धर्म नहीं है। भारत में हर धर्म को समान रूप से माना जाता है और उसका सम्मान किया जाता है और यह देश में सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने के लिए एक लंबा रास्ता तय करता है।भारत का संविधान भी सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए कानूनों को लागू करता है और देश की सरकार इसे सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाती है।हमारा देश किसी भी आधिकारिक धर्म का पालन नहीं करता है। यह अपने नागरिकों को किसी भी समय अपने धर्म को चुनने और इसे बदलने की स्वतंत्रता देता है। उन व्यक्तियों या समूहों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाती है जो देश के सांप्रदायिक सद्भाव के साथ छेड़छाड़ करने की कोशिश करते हैं।भारत विभिन्न धर्मों और जातियों के लोगों का घर है। विभिन्न जातीय समूहों और धर्मों से संबंधित लोग यहां एक-दूसरे के साथ मेल खाते हैं। कार्यस्थलों पर, स्कूलों में, व्यवसायिक कार्य करते समय विभिन्न पृष्ठभूमि के लोग एक साथ आते हैं और एक साथ काम करते हैं । ऐसी जगहों पर सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखा जाता है। हालाँकि, कई बार ऐसा हुआ है जब हमारे देश के नागरिकों में धार्मिक मतभेदों के कारण समस्याएँ हुई हैं। 1976 में भारतीय संविधान के 42 वें संशोधन के साथ, प्रस्तावना संविधान में कहा गया कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है। देश किसी भी आधिकारिक राज्य धर्म का पालन नहीं करता है। कानूनों को राज्य और उसकी संस्थाओं को सभी धर्मों को स्वीकार करने और सम्मान करने की आवश्यकता होती है। देश का प्रत्येक व्यक्ति अपने धर्म को चुनने और किसी भी समय इसे बदलने के लिए स्वतंत्र है। सभी धर्मों को समान रूप से मानना और किसी एक के धर्म को चुनने की स्वतंत्रता देना देश में सांप्रदायिक सद्भाव सुनिश्चित करने का एक तरीका है।इस समय यह बहुत आवश्यक है अन्यथा आने वाली पीढ़ियों के मन मे आपसी सद्भावना व प्रेम के बजाए नफरत व अलगाव जन्म ले लेगा जो देश के भविष्य के लिए सुखद संकेत नही है।

मधुर शब्द उपचार, कटु करे है वार

योगेन्द्र नाथ शर्मा 'अरुण'

कुछ दिन पूर्व एक मित्र आकर बोले कि आप टीवी पर होने वाली बहसों के बारे में क्या सोचते हैं? उन्हें उत्तर दिया कि मुझे तो इन स्तरहीन और व्यर्थ की बहसों को सुनकर लगता है कि टीवी की बहसों में भाग लेने वाले अधिकांश लोग 'वाणी की मिठास और मर्यादा' को जैसे तिलांजलि ही दे बैठे हैं, इसलिए मैंने तो इन्हें सुनना ही बंद कर दिया है। यह बात आई-गई हो गई थी, लेकिन आज अनायास ही एक ऐसी कुरेदने वाली बोधकथा पढ़ने को मिली, जिसने कुछ दिनों पूर्व मित्र से हुई वार्ता को प्रासंगिक बना दिया और मन कह उठा कि मैं अपने सुधी पाठकों से अपने 'अंतर्मन' की बात को साझा करूं। बोधकथा यूं है :-

एक गांव में किसी आदमी ने अफवाह फैलाई कि उसके पड़ोस में रहने वाला नौजवान चोर है। यह बात दूर-दूर तक फैल गई और आस-पास के लोग उस बेचारे नौजवान को चोर मानकर उससे बचने लगे। नौजवान परेशान हो गया, कोई उस पर विश्वास ही नहीं करता था। तभी गांव में चोरी की एक वारदात हुई और शक के आधार पर उस नौजवान को गिरफ्तार कर लिया गया, परंतु कुछ दिनों के बाद, सबूत के अभाव में वह निर्दोष साबित हो गया। निर्दोष साबित होने के बाद वह नौजवान भी चुप नहीं बैठा, बल्कि उस आदमी पर गलत आरोप लगाने के लिए मुकदमा दायर कर दिया। पंचायत में उस आदमी ने अपने बचाव में सरपंच से कहा, 'मैंने युवक के बारे में जो कुछ कहा था, वह एक टिप्पणी से अधिक कुछ नहीं था और किसी को नुकसान पहुंचाना तो मेरा मकसद ही नहीं था।' सरपंच ने उस आदमी से कहा कि वह एक कागज के टुकड़े पर वो सब बातें लिखें, जो उसने उस नौजवान के बारे में कही थीं और जाते समय उस कागज के टुकड़े-टुकड़े करके घर के रास्ते पर फ़ेंक दें। सभी कल मुकदमे का निर्णय सुनने के लिए आ जाएं। आरोप लगाने वाले उस व्यक्ति ने वैसा ही किया। अगले दिन सरपंच ने उस आदमी से कहा कि मेरा फैसला सुनने से पहले आप बाहर जाएं और उन कागज के फटे टुकड़ों को, जो आपने कल बाहर फ़ेंक दिए थे, इकट्ठा कर के मेरे पास ले आएं। अचंभे में डूबे उस आदमी ने कहा कि मैं ऐसा नहीं कर सकता। उन टुकड़ों को तो हवा कहीं से कहीं उड़ा कर ले गई होगी। अब तो वे टुकड़े नहीं मिल सकेंगे। मैं कहां-कहां उन्हें खोजने के लिए जाऊंगा? सरपंच ने कहा, 'ठीक इसी तरह, तुम्हारी एक सरल-सी टिप्पणी भी किसी का मान-सम्मान उस सीमा तक नष्ट कर सकती है, जिसे वह व्यक्ति किसी भी दशा में दोबारा प्राप्त करने में सक्षम नहीं हो सकता। तुम्हारी इस बात ने युवक की प्रतिष्ठा को हानि पहुंचाई है। तुम वाणी की मर्यादा तोड़ने के दोषी हो, इसलिए दंड मिलेगा। यदि किसी के बारे में कुछ अच्छा नहीं कह सकते, तो चुप रहना जरूरी है। वाणी पर हमारा नियंत्रण होना चाहिए, ताकि हम शब्दों के दास न बनें।' सच यह है कि संतों और महात्माओं ने तो हर युग में यही कहा है कि वाणी पर नियंत्रण और मर्यादापूर्वक वाणी का प्रयोग मनुष्य को सम्मान दिलाता है और इसके विपरीत आचरण अनादर का कारण बन जाता है। संत कबीर तो डंके की चोट पर कहते आए हैं :-

'सबद सहारे बोलिए, सबद के हाथ न पाव।
एक सबद औषधि करै, एक सबद दे घाव॥'

निःसंदेह, वाणी से निकला एक कठोर शब्द घाव करके 'महाभारत' करा सकता है, यह इतिहास बताता है। इसके विपरीत वाणी की मर्यादा रखी जाए, तो बड़ी-बड़ी लड़ाइयां रोकी जा सकती हैं। कबीर हमें चेताते भी हैं :-

'जिभ्या जिन बस मै करी, तिन बस कियो जहान।
नहिं तो औगुन ऊपजै, कह सब संत सुजान॥'

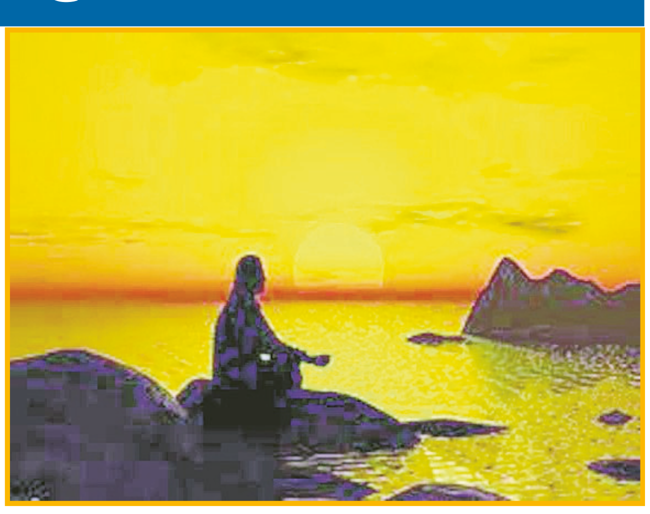

सच यही है कि आज राजनीति हो या सांस्कृतिक और सामाजिक क्षेत्र, सभी स्थानों पर हम असंवेदनशील होते जा रहे हैं और वाणी की मर्यादा को भूलकर ऐसे शब्दों का प्रयोग करने लगे हैं, जो लोकतंत्र की गरिमा को भी कलंकित करते हैं और सुनने वाले को भी मानसिक यातना देते हैं। किसी ने सच ही कहा है :-

'मीठी वाणी बोलना, काम नहीं आसान।
जिसको आती यह कला, होता वही सुजान॥'

अंग्रेज़ी में तो बहुत प्यारी और सुंदर उक्ति है— बोलना चांदी है तो मौन रहना स्वर्ण है।

तो फिर आइए, हम आज एक संकल्प तो ले ही लें कि कहीं भी हों, वाणी की मर्यादा का पालन करेंगे और किसी को भी अपशब्द नहीं कहेंगे। यह दूसरों का उतना हित शायद न करे, जितनी शांति हमें मिलेगी।

आज के कार्टुन

अनूठी सीख

सद्गुरु/ गुरु नानक के जीवन का महत्त्व यह नहीं कि उन्होंने नया धर्म शुरू किया था, जैसा कि बहुत से लोगों को लगता है कि उन्होंने किया था। गुरु नानक किसी भी शास्त्र को नहीं जानते थे, बस जीवन को जानते थे। आज हम उनकी शिक्षाओं के रूप में जो कुछ भी जानते हैं, वो बहुत कम है। पर हम कल्पना कर सकते हैं कि उन्होंने क्या कहा होगा, क्योंकि भीतरी अनुभव को शब्दों में ढालने वाले सभी लोग एक ही बात बोलते हैं। हो सकता है कि शास्त्र पुराने हो जाएं, पर भीतरी अनुभव कभी पुराना नहीं होता। वह हमेशा मुसकुराते रहने वाले और सीधे-सादे संतों की तरह नहीं थे। अच्छी तरह जानते थे कि कब सख्त होना है, और कब शांत। एक बार एक रईस के यहां मेहमान बनकर पहुंचे। कुछ दिनों बाद जब चलने लगे तो उन्होंने उस धनी आदमी को एक सुई दी और कहा-'इसे अपने पास रखना। फिर जब कभी मुझे मिलो, इसे मुझे वापस कर देना।' गुरु नानक के जाने के बाद उस धनी ने यह बात अपनी पत्नी को बताई। पत्नी ने नाराज होते हुए कहा-'तुमने गुरु से यह सुई क्यों ली? वह बूढ़े हो चुके हैं। मान लो वह नहीं रहे तो उन्हें सुई कैसे लौटाओगे? उनके जैसे शख्स की सेवा करना ठीक है, लेकिन उनसे कुछ भी लेना गलत बात है। उनकी मौत हो गई तो तुम हमेशा के लिए उनके कर्जदार रहोगे। उस एक कर्म को मिटाने में असमर्थ रहोगे और उसकी वजह से तुम्हें हजारों जन्म लेने होंगे। यह अच्छी बात नहीं है। किसी तरह से उन्हें ढूंढो और तुरंत यह सुई वापस कर आओ।' वह रईस गुरु की खोज में निकल पड़ा। दो महीने बाद उसने उन्हें ढूंढ लिया और कहा-'गुरु जी, मैं इस सुई को अपने पास नहीं रखना चाहता। आप बूढ़े हो चुके हैं। अगर मर गए तो इस सुई को स्वर्ग में साथ ले जाकर वहां तो आपको दे नहीं सकता। मैं हमेशा के लिए आपका कर्जदार हो जाऊंगा।' गुरु बोले-'तो तुम जानते हो कि इस सुई को स्वर्ग में साथ नहीं ले जा सकते?' आदमी बोला-'बिल्कुल'। गुरु ने फिर कहा-'अगर तुम सुई तक अपने साथ लेकर नहीं जा सकते तो उस धन दौलत का क्या जो तुम एकत्र कर रहे हो, उसे भी तो लेकर नहीं जा पाओगे।' उस धनी को गुरु का संदेश मिल गया। वह उनके चरणों में गिर गया। घर लौट कर उसने केवल उतना अपने पास रखा, जितने की उसे अपने परिवार के लिए जरूरत थी। खुद को उन कामों के लिए समर्पित कर दिया, जिनकी समाज को जरूरत थी। दुनिया में सीमित स्थान है, और संसाधन भी सीमित हैं।

सू-दोकू नवताल -2101

	9				4			
8	4			6		9		5
5		6	8	2		3		
	1	5	6	3			9	7
3	6			9	7	1	4	
		1		4	8	7		6
9		4		7			2	1
			2				8	

सू-दोकू -2100 का हल

8	5	4	7	3	2	6	1	9
6	7	1	9	5	4	3	2	8
2	9	3	8	6	1	7	5	4
4	3	9	2	1	7	8	6	5
5	6	2	3	8	9	4	7	1
7	1	8	6	4	5	9	3	2
3	2	6	5	9	8	1	4	7
9	4	7	1	2	6	5	8	3
1	8	5	4	7	3	2	9	6

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2101

1		2	■	3		4	■	5	6
	■	7			■	8	9		
■	10		■		■	11			■
12		■	13		14	■		■	15
■	16			■		■	17	18	
19	■	■	20				■		■
21		■		■	■	■	22		23
	■	24		25		■		■	
■	26		■		■	27		■	
28	■		■	29			■	30	

बायें से दायें:-

1. 'संदेसे आते हैं' गीत वाली फिल्म-3
3. शशि कपूर की 'थोड़ा रुक जाएगी तो तेरा क्या जाएगा' गीत वाली फिल्म-3
5. फिल्म 'मॉनसून वेडिंग' के गीत 'आजा नच लै' के गायक का उपनाम-2
7. अनिल कपूर, विजया शांति की 'रामजी ने धनुष तोड़ा' गीत वाली फिल्म-3
9. फिरोज खान, संजय दत्त, मनीषा की फिल्म-4
10. सलमान अभिनीत 'सुनो गौर से दुनियां वालों' गीत वाली फिल्म-2
11. 'ये मौसम भी गया' गीत वाली अविनाश वधावन, आयशा जुल्का की फिल्म-3
12. धर्मेन्द्र, हेमा की 'गाड़ी बुला रही है' गीत वाली फिल्म-2
13. अनिल कपूर, पूनम ढिल्लों की फिल्म-3
16. अमिताभ, हेमा की 'हो जाता है प्यार' गीत वाली फिल्म-3
17. 'गोरी जो मटके बालों को झटके' गीत वाली फिल्म-3
20. मिथुन, जूही चावला की 'स्वर्ग में मिलेगी अप्सरा' गीत वाली फिल्म-4
21. 'मस्त बहारों का मैं आशिक' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-2
22. शाहरुख, माधुरी की 'सांसों की माला पे सिमरूं' गीत वाली फिल्म-3
24. 'मेरी मखना, मेरी सोणिये' गीत वाली अमिताभ, हेमा की फिल्म-4
26. अमिताभ, ओमपुरी, फरदीन, करीना कपूर की 'जब नहीं आए थे तुम' गीत वाली फिल्म-2
27. 'अपुन बोला तू मेरी लैला' गीत वाली शाहरुख, ऐश्वया की फिल्म-2
29. जयाप्रदा की 'उंगली में अंगूठी, अंगूठी में नगीना' गीतवाली फिल्म-1
29. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी, सोहैल, सुनील, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-3
30. प्रशांत, ऐश्वर्या राय की 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

1. 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली फिल्म-2
2. 'दुनिया में क्या क्या होता है प्यारे' गीत वाली किरण कुमार, योगिता बाली की फिल्म-3
3. 'जरा तस्वीर से तू' गीत वाली फिल्म-4
4. 'दिलकश ये एहसास है' गीत वाली तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-3
5. आफताब शिवदासानी, अक्षय खन्ना, रिमी सेन की 'चैन आप को मिला' गीत वाली फिल्म-3
6. 'सुन सुन बरसात की धुन' गीत वाली नसीरुद्दीन शाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट अभिनीत फिल्म-2
9. राजेंद्र कुमार, धर्मेन्द्र, माला सिन्हा, कुमकुम की 'बोल मेरे साथिया' गीत वाली फिल्म-4
10. सुष्मिता सेन की पहली फिल्म -3
13. राजेश खन्ना, आशा पारेख की 'जिस गली मेरा तेरा घर न हो' गीत वाली फिल्म-2,3
14. फिल्म 'प्यार कोई खेल नहीं' में सनी देओल के साथ नायिका-3
15. विनोद खन्ना, शबाना आजमी की 'दो नैनों के पंख लगा कर' गीत वाली फिल्म-2
18. 'दिल ना किसी का जाए' गीत वाली सनी देओल, संजय, रवीना टंडन, दिव्या की बहुसितारा फिल्म-3
19. 'हम थे जिनके सहारे' गीत वाली फिल्म-3
22. गुलजार निर्देशित संजीव कुमार, जया भादुडी की जोड़ी वाली एक फिल्म-3
23. अमिताभ बच्चन, जीनत अमान की 'अपनी तो जैसे तैसे' गीत वाली फिल्म-4
24. 'तुम बिन जीवन कैसा जीवन' गीत वाली राजेश खन्ना, जया भादुड़ी की फिल्म-3
25. अमिताभ बच्चन, हेमा मालिनी, सलमान खान, जॉन अब्राहम, रानी मुखर्जी की 'बेबसी दर्द का आलम' गीत वाली फिल्म-3
27. 'कोई देख रहा छुप छुप के' गीत वाली सनी देओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2100

चे	ह	रा	■	प्रे	म	पु	जा	री	■
त	■	नी	ल	म	■	का	ल	■	दु
ना	म	■	क्ष्य	■	जो	र	■	मे	ला
■	म	स्त	■	य	श	■	जू	■	रा
दा	ता	■	ल	की	■	श	ही	द	■
स्ता	■	जी	व	न	धा	रा	■	स	जा
न	क्शा	■	र्स	■	■	बी	ना	■	ने
■	■	ध	■	आ	शा	■	दा	■	म
मे	ह	र	बा	न	■	खा	न	दा	न
घा	■	ती	■	न्द	■	की	■	वा	■

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली। देश में तेल विपणन कंपनियों ने सोमवार को 19वें दिन भी पेट्रोल-डीजल के दामों में स्थिरता रखकर जनता को राहत दी है। सार्वजनिक क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी तले विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के अनुसार, दाम में टिकाव की वजह से आज दिल्ली में पेट्रोल 105.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 96.67 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 120.51 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 104.77 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 115.12 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 99.83 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 110.85 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 100.94 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। यूक्रेन में चल रहे रूस के सैन्य अभियान के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज कच्चे तेल की कीमतों में दो प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गयी। लंदन ब्रेंट क्रूड 2.91 प्रतिशत गिरकर 103.55 डालर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रूड 2.96 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.05 डालर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है । देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें 137 दिन की स्थिरता के बाद 22 मार्च से बढ़नी शुरू हुई थीं। कंपनियों ने पिछले 30 दिन में 14 बार पेट्रोल और डीजल के दामों में वृद्धि की। इस दौरान इनके दामों में करीब 10 रुपये प्रति लीटर की तेजी आई है।

पापुआ न्यू गिनी भारत से कॉफी पर आयात शुल्क घटाने को कहेगा

कोलकाता । बेहतरीन किस्म की कॉफी के लिए मशहूर पापुआ न्यू गिनी भारत सरकार से कॉफी पर आयात शुल्क को 110 फीसदी से घटाने का अनुरोध करेगा। दक्षिण-पश्चिमी प्रशांत महासागर में स्थित पापुआ न्यू गिनी (पीएनजी) के भारत स्थित उच्चायुक्त पॉलियास कोर्नी ने कहा कि उनके यहां से आयात की जाने वाली कॉफी पर काफी ऊंची दर से शुल्क लग रहा है। हम भारत सरकार से पीएनजी कॉफी के आयात शुल्क को कम करने का अनुरोध करेंगे। उम्मीद करते हैं कि दोनों देशों के बीच दोहरे कराधान से बचने का समझौता जल्द ही पूरा हो जाएगा। दोनों देश इस कराधान समझौते पर काम कर रहे हैं। एक अनिवासी भारतीय उद्यमी ने कहा कि ऊंचे आयात शुल्क की वजह से भारत के लोग पीएनजी कॉफी के स्वाद से वंचित हैं। उन्होंने कहा कि वह पूरे भारत में पीएनजी कॉफी के 300 आउटलेट खोलना चाहते हैं लेकिन ऊंचा आयात शुल्क इसमें एक बड़ी बाधा बना हुआ है। उन्होंने कहा कि शुल्क में कमी होने से पापुआ न्यू गिनी के 20 लाख किसानों को मदद मिलेगी।

सिरेमिक और ग्लासवेयर निर्यात 3.5 अरब डॉलर पहुंचा

नई दिल्ली । वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 में सिरेमिक और कांच से बने उत्पादों का निर्यात 3.5 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सिरेमिक टाइल्स और सेनिटेरीवेयर उत्पादों की मांग बढ़ने से इन उत्पादों के निर्यात में बढ़ोतरी देखी गई है। भारत टाइल्स का दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा विनिर्माता है। ग्लासवेयर में कांच का दर्पण, कांच की पैकिंग वाले सामान जैसी वस्तुएं आती हैं। भारत 125 से अधिक देशों को इन वस्तुओं का निर्यात करता है जिनमें सऊदी अरब, अमेरिका, मैक्सिको, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात, इराक, ओमान, इंडोनेशिया, ब्रिटेन और पोलैंड शामिल हैं। मंत्रालय ने कहा कि बीते वर्षों में नवोन्मेष के जरिये और उत्पादों, गुणवत्ता तथा डिजाइन के मामले में भारत में सिरेमिक उद्योग का आधुनिकीकरण हुआ है।

सीआईआई के अध्यक्ष ने कहा, चालू वित्त वर्ष में 7.5-8% की दर से बढ़ेगी भारतीय अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली (एजेंसी):

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के अध्यक्ष टीवी नरेंद्रन ने सोमवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष 2022-23 में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.5 से 8 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है और इसमें निर्यात की प्रमुख भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि रूस-यूक्रेन के बीच जारी सैन्य संघर्ष के प्रभाव और कोविड-19 महामारी की किसी नई लहर की आशंका को देखते हुए देश को तैयार रहने की जरुरत है। नरेंद्रन ने कहा, ''हमें विश्वास है कि इस वर्ष अर्थव्यवस्था ऊंची वृद्धि हासिल करेगी। इसलिए हम निर्यात के मोर्चे पर बहुत आशान्वित हैं। भारत की सफलता की कहानी में निर्यात की प्रमुख भूमिका होगी।'' उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर कोरोना संक्रमण के नए मामलों में वृद्धि का वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर भी प्रभाव होगा और सीआईआई के अर्थव्यवस्था में वृद्धि के अनुमान में इन पहलुओं को भी शामिल किया गया है। उन्होंने कहा, ''यह देखा गया है कि जब भी वैश्विक स्तर पर महामारी की कोई नयी लहर आई है, इसका असर भारत पर भी पड़ा है। इसलिए भविष्य में कोरोना संक्रमण की किसी भी लहर से बचने के लिए तैयार रहना होगा।''सीआईआई अध्यक्ष ने कहा, ''चालू वित्त वर्ष के लिए वृद्धि दर का अनुमान 7.5 से 8 प्रतिशत के दायरे में बना हुआ है।

अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) ने भारत के लिए अपने वृद्धि दर के अनुमान को 8.2 प्रतिशत पर रखा है। वहीं वर्ष के लिए औसत मुद्रास्फीति भारतीय रिज़र्व बैंक की लक्ष्य सीमा के भीतर रहने की उम्मीद है।''

क्रिप्टोकरेंसी बाजार में गिरावट

मुंबई । क्रिप्टोकरेंसी बाजार में सोमवार को सुबह 2.02 फीसदी की गिरावट आई है। वैश्विक क्रिप्टोकरेंसी मार्केट कैप घटकर 1.81 ट्रिलियन डॉलर पर आ गया है। बिटकॉइन की कीमत एक बार फिर से गिरकर 40 हजार डॉलर के नीचे नहीं चली गई है। बेंड नाम के कॉइन में पिछले 24 घंटों के दौरान 702.30 फीसदी का उछाल आया है। काइन का मार्केट कैप के आंकड़ों के हिसाब से सोमवार को सुबह बिटकॉइन 1.44 फीसदी गिरकर 39,147.34 डॉलर पर कारोबार कर रहा है। इथेरियम की कीमत पिछले 24 घंटों में 2.94 फीसदी गिरकर 2,867.65 डॉलर रह गई है। पिछले 24 घंटों में सबसे ज्यादा उछलने वाले टोकन्स में बेंड, वाल्टर इनू और फो`निक्स टोकन शामिल रहे। लूफी नाम की क्रिप्टोकरेंसी में 675.27 प्रतिशत का उछाल आया है। जीएसकेवाय में 360.98 फीसदी की वृद्धि देखने को मिली है। बेंड डेओ पिछले 24 घंटों के दौरान 702.30 फीसदी तक उछल गई है।

सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली । एमसीएक्स पर सप्ताह के पहले दिन सोमवार को सोने और चांदी की कीमत में गिरावट दर्ज की गई। एमसीएक्स पर सोने की कीमत 0.44 फीसदी की गिरावट लेते हुए 52,030 रुपए प्रति दस ग्राम पर पहुंच गई, जबकि चांदी के दाम में 1.21 फीसदी की कमी आई और इसका भाव गिरकर 67,741 रुपए प्रति किलोग्राम रह गया है। इससे पहले शुक्रवार को वायदा बाजार में सोने और चांदी के भाव में तेजी देखी गई। एमसीएक स में जून महीने की डिलिवरी के लिये सोने का भाव 187 रुपए बढ़कर 52,600 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। सर्राफा बाजार में भी सोना महंगा हुआ था। हालांकि चांदी में गि रावट आई थी। पिछले कारोबारी सत्र में 999 शुद्धता वाला सोना 52821 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बिका। वहीं 999 शुद्धता वाली चांदी 67184 रुपए प्रति कि लो के भाव पर बिकी। यहां बता दें कि आभूषण बनाने के लिए ज्यादातर 22 कैरेट का ही इस्तेमाल होता है। कुछ लोग 18 कैरेट सोने का भी इस्तेमाल करते हैं। आभूषण पर कैरेट के हिसाब से हॉल मार्क बना होता है। 24 कैरेट सोने के आभूषण पर 999 लिखा होता है, जबकि 23 कैरेट पर 958, 22 कैरेट पर 916, 21 कैरेट पर 875 और 18 कैरेट पर 750 लिखा होता है। देश भर में सोने के आभूषणों की कीमत उत्पाद शुल्क, राज्य करों और मेकिंग चार्ज के कारण बदलती रहती है।

पाम ऑयल प्रतिबंध से खाने का तेल ही नहीं शैम्पू से चॉकलेट तक हो जाएंगे महंगे

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

देश में खाने का तेल पहले से ही महंगा चल रहा है और अब 29 अप्रैल से इंडोनेशिया पाम ऑयल का निर्यात बंद कर रहा है। इस फैसले से भारत में खाने के तेल और महंगे होंगे। ऐसा इसलिए क्योंकि कई तेलों में तो पाम ऑयल मिलाया भी जाता है, क्योंकि इसमें कोई महक नहीं होती है। इसका इस्तेमाल सीधे भी खाना पकाने या तमाम तरह की चीजें बनाने में भी होता है। यह बेहद सस्ता तेल है, ऐसे में इसकी मांग दुनिया भर में रहती है। पाम ऑयल के मामले में इंडोनेशिया दुनिया का सबसे बड़ा निर्यातक देश है, जबकि उसके बाद मलेशिया का नंबर आता है। इसके अलावा कुछ अफ्रीकी देश पाम ऑयल निर्यात करते हैं। लेटिन अमेरिका और एशिया से भी कुछ हद तक पाम ऑयल निर्यात किया जाता है। पाम ऑयल का इस्तेमाल शैम्पू, नहाने के साबुन, टूथपेस्ट, विटामिन की गोलियां, मेक-अप आइटम, चॉकलेट आदि में भी होता है। यानी एफएमसीजी प्रोडक्ट्स बनाने वाली कंपनियां पाम ऑयल की एक बड़ी ग्राहक हैं। इतना ही नहीं, पेट्रोल-डीजल में जहां कहीं जैविक ईंधन या बायो-फ्यूल मिलाया जाता है, वह दरअसल पाम ऑयल ही होता है। यानी गाड़ियों के चलने में भी पाम ऑयल का अहम रोल है। पाम ऑयल पूरी दुनिया में सबसे लोकप्रिय वनस्पति तेल है। दुनिया भर के करीब 50 फीसदी घरेलू उत्पादों में पाम ऑयल का इस्तेमाल होता है।

- इन कंपनियों पर पड़ेगा पाम ऑयल निर्यात पर रोक का असर

- यूनीलीवर ने 2016 में बताया था कि वह 10 लाख टन पाम ऑयल आयात करता है। उसने कहा था कि वह कंज्यूमर गुड्स इंडस्ट्री का सबसे बड़ा यूजर है। मतलब पाम ऑयल निर्यात बंद होने से यूनीलीवर पर तगड़ा असर होगा और कंपनी के प्रोडक्ट्स महंगे हो सकते हैं।
- 2020 में किटकैट चॉकलेट बनाने वाली कंपनी नेस्ले ने करीब 4.53 लाख टन पाम ऑयल खरीदा था। इसमें से अधिकतर पाम ऑयल इंडोनेशिया से आया, जबकि कुछ मलेशिया से खरीदा गया। कंपनी लेटिन अमेरिका, अफ्रीका और एशिया के कुछ हिस्सों से भी पाम ऑयल खरीदती है।

- प्रॉक्टर एंड गैंबल ने 2020-21 में करीब 6.05 लाख टन पाम ऑयल खरीदा। इसका इस्तेमाल कंपनी के फैब्रिक, होम केयर कैटेगरी और कई ब्यूटी प्रोडक्ट्स में होता है।
- ओरियो बिस्कुट बनाने वाली कंपनी मॉन्डलेज इंटरनेशल भी भारी मात्रा में पाम ऑयल खरीदती है।
- लॉरियल कंपनी ने 2021 में 310 टन पाम ऑयल खरीदा, जिसका इस्तेमाल ब्यूटी प्रोडक्ट्स में होता है।

सरकार की गेहूं खरीद 10 साल के निम्न स्तर पर रह सकती है!

पिछले सप्ताह गेहूं की खरीद लगभग 1.3 करोड़ टन थी, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि से 34 फीसदी कम है

नई दिल्ली ।

निर्यात के लिए निजी कंपनियों द्वारा आक्रामक खरीद और घरेलू उत्पादन में मामूली गिरावट आने के अनुमान के बीच मौजूदा रबी वर्ष 2022-23 में सरकार की ओर से कुल गेहूं खरीद पिछले 10 सालों में सबसे कम रह सकती है। पिछले सप्ताह तक भारतीय खाद्य निगम और राज्य सरकार की एजेंसियों द्वारा गेहूं की खरीद लगभग 1.3 करोड़ टन थी। जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान खरीदी गई मात्रा से लगभग 34 फीसदी कम है। सरकारी अधिकारियों ने कहा कि मंडियों में गर्मियों की फसल की दैनिक आवक में भारी गिरावट आई है, जो यह दर्शाता है कि खरीद की गति धीमी होने वाली है। हालांकि सरकारी एजेंसियों को अभी भी इस सीजन के दौरान गेहूं खरीद के मामले में 4.4 करोड़ टन के लक्ष्य के मुकाबले लगभग 2.5 करोड़ टन को छूने की उम्मीद है, लेकिन उद्योग से जुड़े सूत्रों का कहना है कि 2.2 करोड़ टन के लक्ष्य को पार करना मुश्किल होगा। पंजाब की मंडियों में दैनिक आवक रविवार को घटकर 2.46 लाख टन रह गई, जो पिछले साल इसी दिन 5.2 लाख टन थी। मंडियां लगभग खाली हैं और चीजों में सुधार की संभावना कम है। यही स्थिति हरियाणा में भी है।

जानकारों का कहना है कि सरप्लस बफर स्टॉक की वजह से घरेलू उत्पादन में अपेक्षित गिरावट और सरकार की गेहूं खरीद में कमी, सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस), अन्य कल्याण योजनाओं (ओडब्ल्यूएस) और प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत अनाज की आवश्यकता को प्रभावित नहीं करेगी। यह भी कहा जा रहा है कि इससे गेहूं की घरेलू खुदरा कीमतों भी प्रभावित नहीं होंगी, जो मौजूदा रूस-यूक्रेन संकट के कारण वैश्विक मुद्रास्फीति के बावजूद काफी हद तक स्थिर बनी हुई है। मप्र में निजी कंपनियों द्वारा दी जाने वाली कीमतें 2,015 रुपये प्रति क्विंटल के एमएसपी की तुलना में लगभग 2,740 रुपये प्रति क्विंटल हैं। इसी तरह राजस्थान में किसानों को उनके गेहूं के लिए 2,680 रुपये प्रति क्विंटल का दाम मिल रहा है और गुजरात में भी कीमत 2,700 रुपये प्रति क्विंटल के करीब है।

सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि शनिवार तक मध्य प्रदेश में एफसीआई और राज्य एजेंसियों द्वारा 25.8 लाख टन की गेहूं खरीद का अनुमान लगाया गया था, जो पिछले साल की इसी अवधि के दौरान खरीदे गए 48.6 लाख टन से लगभग 47 फीसदी कम है। इसी तरह,

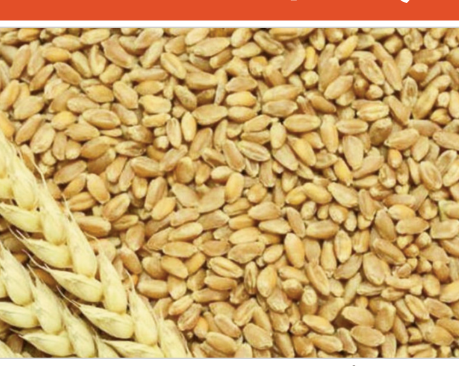

गुजरात में पिछले साल के 45,289 टन की तुलना में अब तक केवल छह टन गेहूं की खरीद हुई है, जबकि राजस्थान में खरीद घटकर 737 टन रह गई है, जबकि पिछले साल यह खरीद 4.86 लाख टन थी। उत्तर प्रदेश में सरकारी एजेंसियों द्वारा बमुश्किल 77,707 टन गेहूं खरीदा गया है, जबकि पिछले साल यह 6.16 लाख टन था। पंजाब में भी निजी कंपनियों ने लगभग 4.6 लाख टन गेहूं की खरीद की है, जो दर्शाता है कि निजी व्यापारियों द्वारा भारी खरीद की जा रही है।

ब्रेजा का भी सीएनजी वेरिएंट लॉन्च करेगी मारुति

-मारुति सुजुकी ग्राहकों को देना चाहती है नए-नए ऑप्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)।

मारुति सुजुकी अपनी बेस्ट सेलिंग कॉम्पैक्ट एसयूवी ब्रेजा का भी सीएनजी वेरिएंट लॉन्च करने की कोशिश में है। दरअसल, भारत में सीएनजी कारों की डिमांड बढ़ी है और ऐसे में मारुति सुजुकी लोगों के सामने नए-नए ऑप्शन देना चाहती है। इसी कोशिश में अब जल्द ही नेक्स्ट जेनरेशन मारुति ब्रेजा को पेट्रोल के साथ ही फैक्ट्री फिटेड सीएनजी के साथ लॉन्च किया जा सकता है। अपकमिंग 2022 मारुति ब्रेजा में सीएनजी किट के साथ ही 1.5 लीटर का के15बी पेट्रोल इंजन देखने को मिल सकता है, जो कि 104 बीएचपी तक की पावर और 138 न्यूटन मीटर टॉर्क जेनरेट करने में सक्षम होगा। इसकी संभावित माइलेज 30 किलोमीटर प्रति किलोग्राम तक की हो सकती है। ब्रेजा सीएनजी को मैनुअल ट्रांसमिशन ऑप्शन के साथ पेश किया जा सकता है। आने वाले समय में टाटा मोटर्स के साथ ही ह्युंदै और किआ मोटर्स भी कॉम्पैक्ट सीएनजी एसयूवी सेगमेंट में नेक्सॉन, वेन्यू और सॉनेट को सीएनजी के साथ पेश कर सकती है।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें को अपकमिंग ब्रेजा में वायरलेस चार्जिंग, वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और एप्पल कार प्ले सपोर्ट वाले बड़े टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम के साथ ही वेंटिलेटेड सीट्स, 360 डिग्री कैमरा, कनेक्टेड कार टेक्नॉलजी जैसे कई खास स्टैंडर्ड और सेफ्टी फीचर्स के साथ पेश किया जा सकता है।आपको बता दें कि मारुति

सुजुकी इस साल भारत में नेक्स्ट जेनरेशन मारुति ब्रेजा लॉन्च करने वाली है, जिसकी लंबे समय से टेस्टिंग चल रही है। 2022 मारुति ब्रेजा को बेहतर लुक और फीचर्स के साथ ही नए इंजन के साथ पेश किया जा सकता है।

किआ ईवी6 इलेक्ट्रिक एसयूवी के लुक और फीचर्स लीक

-इस एसयूवी से जुडी कई जानकारियां आई सामने

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

बीते कुछ समय से किआ ईवी6 की भारत में टेस्टिंग हो रही है और इस इलेक्ट्रिक एसयूवी के लुक और फीचर्स से जुड़ीं कई जानकारियां सामने आ गई हैं। चलिए, आपको किआ ईवी6 के बारे में डिटेल से बताते हैं। किआ ईवी6 कंप्लीटली बिल्ट यूनिट के रूप में भारत आएगी और इसे देशभर के 5 शहरों में शुरुआत में बेचे जाने की खबर आ रही है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें को फर्स्ट बैच में किआ ईवी6 की महज 100 यूनिट बिक्री के लिए उपलब्ध रहेगी और इसकी बुकिंग 26 मई से शुरू होगी। भारत में किआ ईवी6 को अगस्त में लॉन्च किए जाने की खबर आ रही है। फिलहाल किआ ईवी6 के लुक और फीचर्स की बात करें तो यह इलेक्ट्रिक क्रॉसओवर देखने में काफी प्रीमियम है। इस इलेक्ट्रिक कार में विगन लेदर सीट, वायरलेस एप्पल कार प्ले और एंड्रॉइड ऑटो सपोर्ट वाला 12 इंच का टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंट सिस्टम, वायरलेस चार्जिंग, वॉयस कमांड, 14 स्पीकर वाला मेरिडियन ऑडियो सिस्टम और एक्टिवेटेड डुअल जोन एसी समेत कई स्टैंडर्ड फीचर्स हैं।

किआ ईवी6 की पावर और बैटरी रेंज की बात करें तो इसे भारत में कई बैटरी साइज और रेंज के साथ पेश किया जा सकता है। किआ ईवी6 के जीटी लाइन वेरिएंट में 77.4केडब्ल्यूएच का बैटरी पैक देखने को मिलेगा। कंपनी का दावा है कि किआ ईवी6 सिंगल चार्ज पर 425केएम तक चल सकती है और इसे महज 3.5 सेकेंड में 0-60एमपीएच की स्पीड से भगा सकेंगे। किआ ईवी6 में ड्राइविंग असिस्टेंस, इमरजेंसी ब्रेकिंग, ब्लाइंड स्पॉट मॉनिटरिंग, रियर क्रॉस ट्रैफिक अलर्ट, अडेप्टिव क्रूज कंट्रोल और लेन कीपिंग असिस्ट के साथ ही मल्टीपल एयरबैग्स, ईएससी, वीएसएम जैसे कई सेफ्टी फीचर्स भी हैं। इसका इलेक्ट्रिक पावरट्रेन 320बीएचपी की पावर और 605एनएम टॉर्क जेनरेट करने में सक्षम होगा। यह इलेक्ट्रिक एसयूवी डुअल ई-एडब्ल्यूडी सिस्टम से लैस होगी।

होंडा नई कॉम्पैक्ट एसयूवी लॉन्च करने की तैयारी में

टाटा नेक्सॉन और मारुति ब्रेजा के लिए बनेगी चुनौती

नई दिल्ली। भारत में जानी-मानी कंपनी होंडा नई कॉम्पैक्ट एसयूवी लॉन्च करने की तैयारी में है। इस एसयूवी का मुकबला सेगमेंट की बेस्ट सेलिंग कार टाटा नेक्सॉन के साथ ही मारुति ब्रेजा समेत अन्य कारों से होगा। इस नई एसयूवी का नाम होंडा एन5एक्स या होंडा जेडआरवी हो सकती है। होंडा की अपकमिंग कॉम्पैक्ट एसयूवी की टीजर इमेज में ए-पिलर डैशबोर्ड, एलईडी हेडलैंप, फ्लोटिंग रूफलाइन, रूफ इंटिग्रेटेड स्पॉइलर, एलईडी टेललाइट्स जैसे एक्सटीरियर फीचर्स के बारे में पता चलता है। वहीं, इंटीरियर और फीचर्स की बात करें तो इसमें शानदार डैशबोर्ड के साथ ही एंड्रॉइड ऑटो और एप्पल कार प्ले सपोर्ट वाला बड़ा टचस्क्रीन इन्फोटेनमेंटट सिस्टम, कनेक्टेड कार टेक्नॉलजी, मल्टीपल एयरबैग्स, ईबीडी के साथ एबीएस, रियर पार्किंग कैमरा समेत कई खास स्टैंडर्ड और सेफ्टी फीचर्स देखने को मिल सकते हैं।

इस कॉम्पैक्ट एसयूवी को 5 स्पीड मैनुअल और सीवीटी ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन ऑप्शन के साथ पेश किया जा सकता है। होंडा की अपकमिंग कॉम्पैक्ट एसयूवी की इंडिया लॉन्चिंग और बाकी सारे फीचर्स के बारे में आने वाले समय में होंडा के आधिकारिक बयान में स्पष्ट हो जाएगा।अपकमिंग होंडा एन5एक्स या होंडा झेडआर-वी के संभावित इंजन और पावर की बात करें को इसमें 1.0 लीटर 3 सिलिंडर पेट्रोल इंजन के साथ ही 1.5 लीटर का नेचरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन भी देखने को मिल सकता है, जो कि121 बीएचपी तक की पावर और 145 एनएम टॉर्क जेनरेट करने में सक्षम है।

देश के तेल आयात पर खर्च बढ़कर 119 अरब डालर हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश का कच्चे तेल के आयात पर खर्च मार्च में समाप्त हुए वित्त वर्ष 2021-22 में लगभग दोगुना होकर 119 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसकी वजह मांग में वृद्धि और यूक्रेन में युद्ध के कारण वैश्विक स्तर पर ऊर्जा की कीमतों में बढ़ोतरी है। भारत तेल की खपत और आयात करने के मामले में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश है। तेल मंत्रालय के पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) के आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल 2021 से मार्च 2022 के बीच भारत ने तेल के आयात पर 119.2 अरब डॉलर खर्च किए। इससे पिछले वर्ष की समान अवधि में उसका तेल आयात बिल 62.2 अरब डॉलर रहा था। मार्च माह में जब तेल की कीमतें 14 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई, तब अकेले इस महीने में ही भारत ने तेल आयात पर 13.7 अरब डॉलर खर्च किए, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह खर्च 8.4 अरब डॉलर था। वैश्विक स्तर पर तेल के दाम जनवरी से बढ़ने शुरू हुए थे और फरवरी में ये 100 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गए। मार्च महीने की शुरुआत में तेल की कीमत 140 डॉलर प्रति बैरल के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी। हालांकि उसके बाद कीमतों में गिरावट आने लगी और अब यह करीब 106 डॉलर प्रति बैरल पर है। पीपीएसी के मुताबिक वित्त वर्ष 2021-22 में भारत ने 21.221 करोड़ टन कच्चे तेल का आयात किया, जबकि इससे पिछले वर्ष 19.65 करोड़ टन तेल आयात किया था। हालांकि यह महामारी से पहले के वर्ष 2019-20 के मुकाबले कम है जब 22.7 करोड़ टन तेल आयात किया गया था। तब तेल आयात पर 101.4 अरब डॉलर खर्च हुए थे।

राहुल पर धीमी ओवर गति के लिए दूसरी बार लगा जुर्माना

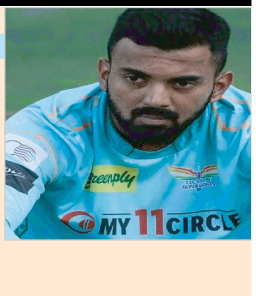

मुंबई । लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान केएल राहुल पर मुंबई इंडियन्स के खिलाफ हुए मैच में धीमी ओवर गति के लिए 24 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। यह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस 15 वें सत्र में दूसरी बार है जब राहुल पर जुर्माना लगा है। वहीं पहली बार धीमी ओवर गति के लिए उनपर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगा था। आईपीएल ने यहां जारी एक बयान में कहा, 'राहुल पर 24 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। वहीं अंतिम एकादश में शामिल अन्य खिलाड़ियों पर 6 लाख रुपए या उनके मैच शुल्क का 25 फीसदी जुर्माना लगा है। इस मामले में आईपीएल की ओर से कहा गया है कि यह इस सत्र में दूसरी बार है जबकि लखनऊ टीम ने आईपीएल की आचार संहिता का पालन नहीं किया है हालांकि इस मैच में राहुल के शतक से ही टीम को जीत मिली थी। इस सीजन का दूसरा शतक लगाया। मुंबई के खिलाफ केएल राहुल का यह तीसरा शतक है। मैच जीतने के बाद केएल राहुल ने कहा कि मुझे मिलने वाली अधिकतर इनामी राशि जुर्माने की भरपाई में चली जाएगी।

ईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले में जीत की राह पर लौटने उतरेगी आरसीबी

पुणे (एजेंसी)।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) की टीम मंगलवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले को जीतकर अपनी लय हासिल करना चाहेगी। आरसीबी को पिछले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 9 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। इससे उसका मनोबल गिरा हुआ है। वहीं दूसरी ओर राजस्थान की टीम ने अपने पिछले दोनो ही मैच जीते हैं जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। ऐसे में अगर आरसीबी को जीतना है तो उसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। बल्लेबाजी की बात करें तो टीम के पास कई स्टार खिलाड़ी हैं पर इसके बाद भी वह नाकाम रही है। टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली का खराब फार्म टीम की परेशानी का कारण बनता जा रहा है। विराट पिछले दो मैचों से लगातार पहली ही गेंद पर आउट हुए हैं। ऐसे में कप्तान फाफ डु प्लेसी और ग्लेन मैक्सवेल पर रन बनाने की अधिक जिम्मेदारी रहेगी। इसके अलावा

टीम को दिनेश कार्तिक और शाहबाज अहमद से भी उम्मीदें रहेंगी क्योंकि इन दोनो का प्रदर्शन अब तक अच्छा रहा है। इन दोनो में ही बड़े शॉट खेलने की क्षमता है। कार्तिक बड़े शॉट खेलने के साथ ही फिनिशर के तौर पर भी सफल रहे हैं। आरसीबी के बल्लेबाजों की राह हालांकि आसान नहीं रहेगी क्योंकि राजस्थान का गेंदबाजी आक्रमण काफी अच्छा है। रॉयल्स टीम के पास तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट के अलावा प्रसिद्ध कृष्ण , ओबेद मैकॉय के साथ ही स्पिनर के तौर पर अनुभवी आर अश्विन और युजवेंद्र चहल की जोड़ी है जिसका सामना करना आरसीबी के बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं रहेगा। चहल ने इस टूर्नामेंट में अब तक शानदार गेंदबाजी करते हुए विरोधी बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का अवसर नहीं दिया था। चहल ने कुल 18 विकेट लिए हैं और अश्विन के साथ उनकी जोड़ी घातक साबित हो सकती है। वहीं दूसरी ओर राजस्थान की बात करें तो उसकी बल्लेबाजी अब तक अच्छी रही है। टीम की ताकत उसके सलामी बल्लेबाज जोस बटलर हैं। बटलर ने अबतक बेहतरीन फॉर्म दिखाते हुए इस सत्र में तीन शतक लगाये हैं। इसके अलावा सलामी बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल और कप्तान संजू सैमसन भी लय में हैं जबकि आक्रामक बल्लेबाज शिमरोन हेटमायर का प्रदर्शन भी अबतक अच्छा रहा है। राजस्थान की टीम को इन सभी बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें रहेंगी। टीम की ओर से केवल करूण नायर और रियान पराग ही अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। राजस्थान के बल्लेबाजों को आरसीबी के स्पिनर हर्षल

पटेल ओर वानिंदु हसरंगा से सतर्क रहना होगा। हर्षल डेथ ओवरों में घातक साबित हो सकते हैं , वहीं हाल के दिनों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छाये हसरंगा एक मैच विजेता गेंदबाज के तौर पर उभरे हैं हालांकि तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और जोश हेजलवुड अब तक उम्मीद के अनुसार गेंदबाजी नहीं कर पाये हैं जिससे आरसीबी के गेंदबाजी आक्रमण का प्रभाव कम हुआ है।

रूबलेव ने जोकोविच को हराकर सर्बियाई ओपन जीता

बेलग्रेड (एजेंसी)।

रुस के आंद्रे रूबलेव ने सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच को 6-2, 6-7 (4), 6-0 से हराकर सर्बियाई ओपन टेनिस खिताब जीता है। यह रुबलेव का इस सत्र का तीसरा खिताब है। रूबलेव ने इससे पहले जोकोविच को इस साल की शुरुआत में भी हराया था। रूबलेव ने दूसरा सेट टाईब्रेकर में खोने के बाद तीसरे सेट में शानदार खेल दिखाते हुए जोकोविच को एक भी गेम नहीं जीतने दिया। रूबलेव ने यह मैच दो घंटे 24 मिनट में ही जीतकर अपने नाम कर लिया। वहीं शीर्ष वरीयता प्राप्त जोकोविच ने इससे पहले तीन मुकाबलों में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए फाइनल में जगह बनायी थी पर यहां उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

अलकारेज ने बार्सिलोना ओपन जीतकर नडाल के रिकार्ड को दोहराया

बार्सिलोना । स्पेन के 18 साल के कार्लोस अलकारेज ने अपने ही देश के पाब्लो बुस्टा कारेनो को 6-3, 6-2 से हराकर बार्सिलोना ओपन टेनिस खिताब अपने नाम किया है। इसी के साथ ही अलकारेज ने दिग्गज टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल के कमाल को दोहरा कर दिया है। वहीं इससे पहले नडाल ने 18 साल की ही उम्र में बार्सिलोना ओपन का खिताब जीतकर शीर्ष दस में प्रवेश किया था। यह उनका इस सत्र का तीसरा खिताब है। अलकारेज ने जीत के बाद कहा कि यह मेरे लिये काफी मायने रखता है। बचपन से ही मैं यह टूर्नामेंट देखता रहा हूं और इसमें खेलना और खिताब जीतना बचपन से ही मेरा सपना था। मैं वास्तव में बहुत खुश हूं कि मैं स्पेनिश टेनिस इतिहास का हिस्सा बन गया हूं। अलकारेज इससे पहले साल 2021 यूएस ओपन के के वार्टरफाइनल तक पहुंचे थे, जो उनका गैंडस्ेलैम में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा था।

बीसीसीआइ ईडन गार्डन्स में आईपीएल प्लेऑफ के इंतजामों से खुश, शत प्रतिशत दर्शकों को आने की अनुमति

कोलकाता (एजेंसी)

बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) ने सोमवार को कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अगले महीने यहां ईडन गार्डन्स में होने वाले दो आईपीएल प्लेऑफ मुकाबलों के इंतजामों से खुश है। ईडन गार्डन्स में पहला क्वालीफायर 24 मई को खेला जाएगा जबकि एलिमिनेटर भी इसी मैदान पर 25 मई को खेला जाएगा। कैब ने बताया कि बीसीसीआई की एक टीम ने इन दो मुकाबलों से पहले ईडन गार्डन्स का दौरा किया और सुविधाओं का जायजा लिया। टीम ने इसके बाद कैब अध्यक्ष अविषेक डालमिया और सचिव स्नेहाशीष गांगुली सहित राज्य संघ के अन्य आला अधिकारियों से मुलाकात की। डालमिया ने कहा कि बैठक काफी फायदेमंद रही। टीम इंतजामों से संतुष्ट थी। कोविड-19 महामारी के बाद प्लेऑफ मुकाबलों के दौरान पहली बार स्टेडियम में शत प्रतिशत दर्शकों को आने की इजाजत होगी। बीसीसीआई ने कोलकाता और अहमदाबाद में स्टेडियम की क्षमता के शत प्रतिशत दर्शकों को प्रवेश की अनुमति दी है। अहमदाबाद को दूसरे क्वालीफायर और फाइनल की मेजबानी करनी है।

संक्षिप्त समाचार

राहुल पर लग सकता है एक मैच का प्रतिबंध

मुम्बई । आईपीएल टीम लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान लोकेश राहुल पर एक मैच के प्रतिबंध का खतरा मंडरा रहा है। राहुल पर यह प्रतिबंध धीमी ओवर गति के लिए लगाया जा सकता है। लखनऊ की टीम ने इस सत्र में दूसरी बार धीमी ओवर गति से गेंदबाजी की है। इसी कारण राहुल पर लो बार जुर्माना लगा है। वहीं आईपीएल नियम के अनुसार अगर कप्तान तीसरी बार ऐसी गलती करता है तो उसे एक मैच के लिए प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। लखनऊ की टीम प्लेऑफ के बेहद करीब है ओर ऐसे में अगर राहुल पर प्रतिबंध लगता है तो टीम की संभावनाएं कम हो जाएंगी। इस मोड़ पर लखनऊ टीम अपने कप्तान को खोने का खतरा नहीं उठा सकती। राहुल ने अब तक अपनी टीम की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाये हैं। जोखिम नहीं उठा सकती. मुंबई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल 2022 के 37वें मैच में धीमी ओवर गति के लिए राहुल पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया, जबकि बाकि बाकी खिलाड़ियों पर 6 लाख रुपये या मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया था।. लखनऊ की यह दूसरी बार गलती थी। इससे पहले मुंबई के खिलाफ आईपीएल के 26वें मैच में राहुल पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगा था।

कांउटी में पाक गेंदबाजी हसन अली की यॉर्कर से टूटा विकेट

लंदन। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हसन अली इंग्लिश काउंटी चैंपियनशिप में अपनी शानदार गेंदबाजी के कारण सबकी नजरों में आये हैं। हसन ने इंग्लैंड में काउंटी के डिविजन वन गेम में लंकाशायर की ओर से खेलते हुए अपनी सटीक यॉर्कर से विरोधी टीम ग्लूस्टरशायर के बल्लेबाज का मिडिल स्टंप ही तोड़ दिया। हसन ने पारी के 25वें ओवर की अंतिम गेंद स्टंप्स के करीब से फेंकी। वहीं इस दौरान विकेटकीपर बल्लेबाज जेम्स ब्रेसी ने इस हसन के यॉर्कर को रक्षात्मक तरीके से खेलने का प्रयास किया पर वह असफल रहे। इस गेंद की गति इतनी तेज थी कि मिडिल स्टंप दो टुकड़ों में बंट गया। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस मैच में हसन ने पहली पारी में 17 ओवर में से 6 ओवर मेडन फेंके इसमें उन्होंने 47 रन देकर 6 विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद से ही हसन अपनी फॉर्म के कारण निशाने पर थे पर काउंटी में अपने अच्छे प्रदर्शन से उन्होंने अच्छी वापसी की है। 27 साल के हसन ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत अच्छी की थी पर टी20 विश्व कप में सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कैच छोड़ने के बाद वह आलोचनाओं का शिकार हुए थे। इसी कारण टीम को हार का सामना करना पड़ा था।

बार्सिलोना की लगातार तीसरी हार से रीयाल का ला लिगा खिताब जीतना तय

मैड्रिड (एजेंसी)।

बार्सिलोना की टीम को स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में लगातार तीसरे मैच में हार का सामना करना पड़ा है। बार्सिलोना को गत दिवस हुए मुकाबले में रायो वालेकानो क्लब ने 1-0 से हराया। इसी के साथ ही बार्सिलोना खिताबी दौड़ से बाहर हो गयी है। वहीं रीयाल मैड्रिड का खिताब जीतना तय नजर आ रहा है। यह पहली बार है जबकि बार्सिलोना की टीम को किसी एक सत्र में अपने सभी मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। वहीं रीयाल अपने दूसरे खिताब से केवल एक अंक दूर रह गयी है। रीयाल मैड्रिड को इसके लिए अब एस्पेनयोल से खेलना है।

रीयाल अभी दूसरे नंबर पर कायम बार्सिलोना से 15 अंक आगे है जबकि लीग में अभी पांच दौर के मैच खेले जाने हैं। बार्सिलोना ने इससे पहले रायो के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर सभी सात मैच जीते थे पर अलवारो गर्सिया के सातवें मिनट में किये गोल से उसका यह विजय अभियान रुक गया था। इस हार के बाद बार्सिलोना के तीसरे नंबर पर कायम सेविला के बराबर ही अंक हो गये गये हैं। इसके अलावा वह चौथे स्थान की टीम एटलेटिको मैड्रिड से केवल दो अंक ही आगे है।

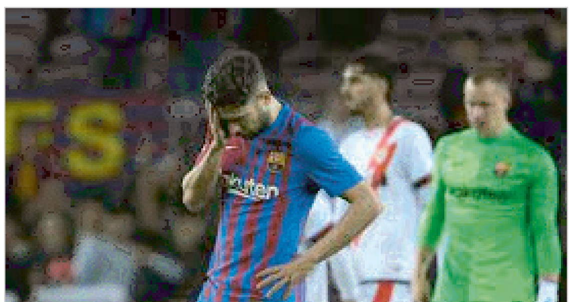

स्मिथ नस्लभेद के आरोपों से बरी हुए

जोहानसबर्ग । दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और क्रिकेट निदेशक रहे ग्रीम स्मिथ को बड़ी राहत मिली है। स्मिथ को नस्लभेद के सभी आरोपों से बरी कर दिया गया है। एसजेएन कमीशन की रिपोर्ट के आधार पर यह फैसला आया है। वहीं इससे पहले स्मिथ पर तीन अवसरों पर नस्लभेद के आरोप लगे थे पर मध्यस्थता कर रहे वकील नगवाको मैनेटजे एससी और माइकल बिशप ने इन आरोपों को गलत पाया। अब इस प्रक्रिया का खर्च सीएसए को ही उठाना पड़ेगा। प्रक्रिया के दौरान यह साबित हुआ कि स्मिथ ने 2012 और 2014 के बीच विकेटकीपर थामी त्सोलीकीले के विरुद्ध किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं किया था। उस समय त्सोलीकीले को केंद्रीय अनुबंध के बाद भी टेस्ट टीम में शामिल नहीं किया गया था। स्मिथ पर यह भी आरोप था कि वह सीएसए में अश्वेत नेतृत्व गुट और ख़ास तौर पर सीईओ थाबांग मोरोए के साथ काम रहीं करना चाहते थे और उन्होंने इसी लिए 2019 में राष्ट्रीय टीम के कोच की नियुक्ति में दखल देते हुए मार्क बाउचर को इनॉक अंकवे से आगे रखा था। इन दोनों में भी उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं पाया गया। गत मार्च में संसद के सामने सीएसए की छानबीन का ब्यौरा देते हुए बोर्ड अध्यक्ष लॉसन नायडू ने आखिरी आरोप को नकारते हुए कहा था कि स्मिथ और बाउचर दोनों की नियुक्ति इससे पहले गठित बोर्ड की देखरेख और पूरी मंजूरी के साथ ही की गई थी।

अदिति लास एंजिल्स ओपन से बाहर

लास एंजिलिस (एजेंसी)।

भारतीय महिला गोल्फर अदिति अशोक लास एंजिलिस ओपन गोल्फ टूर्नामेंट से हार हो गयी हैं। अदिति इस टूर्नामेंट में कट हासिल नहीं कर पायीं और उन्हें बाहर होना पड़ा है। अदिति ने पहले दो दौर में 77 और 73 का स्कोर बनाया पर यह कट में जगह बनाने के लिए पर्याप्त नहीं था। वहीं जापान की नासा हताओका ने अंतिम दौर में एक 'ईगल' और चार 'बर्डी' सहित 4 अंडर 67 का स्कोर बनाने के साथ ही खिताब अपने नाम किया है। हताओका ने खिताबी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया की हन्नाह ग्रीन को पीछ छोड़ा। उन्हें अंतिम दौर से पहले 4 शॉट की बढ़त मिली थी। इससे जापानी खिलाड़ी का कुल स्कोर 15 अंडर 269 रहा। दूसरी ओर टैरागोना में भारतीय पुरुष गोल्फर एसएसपी चौरसिया अंतिम दौर में इवन पार 70 का स्कोर बनाने के साथ ही आईएसपीएस हांडा चैंपियनशिप में संयुक्त 56वें स्थान पर रहे हैं। चौरसिया इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाले एकमात्र भारतीय थे। वहीं स्पेन के पाब्लो लारजाबल ने अंतिम दौर में आठ अंडर 62 का स्कोर बनाकर खिताब जीता है।

विश्व कप से पहले अपनी फिटनेस और गति पर ध्यान केंद्रित कर रही है महिला हॉकी टीम

बेंगलुरू(एजेंसी) ।

भारतीय महिला हॉकी टीम की कोच यानेक शोपमैन ने कहा है कि टीम अगले महीने होने वाले एफआईएच प्रो लीग मैचों और आगामी विश्व कप में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखने के लिए अपनी फिटनेस और गति को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेगी। एफआईएच प्रो लीग के घरेलू चरण के मैचों में सफलता हासिल करने के बाद भारत अभी अंकतालिका में शीर्ष पर चल रहा है। भारतीय टीम ने अगले महीने होने वाले प्रो लीग के अंतिम चरण के मैचों और एक जुलाई से स्पेन और नीदरलैंड में होने वाले विश्व कप के लिये अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। भारत प्रो लीग में बेल्जियम, अर्जेंटीना और अमेरिका जैसी टीम का सामना करने के बाद विश्व कप में भाग लेगा। शोपमैन ने कहा कि हमने पिछले महीने अच्छी प्रगति की थी और हम उसी प्रदर्शन को आगे बढ़ाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हमारा ध्यान अपनी फिटनेस और गति के स्तर में बढ़ोतरी करने पर रहेगा और हम खेल की अपनी रणनीति को मूर्तरूप देने की कोशिश करेंगे। मैं चाहती हूं कि खिलाड़ी स्वयं ही अपने खेल में सुधार करने का बीड़ा उठाएं क्योंकि वे जानते हैं कि उन्हें किस क्षेत्र में काम करने की जरूरत है।

टीमें इस प्रकार हैं–

महिला सीनियर टीम

गोलकीपर : सविता, रजनी एतिमारपू और बिचु देवी खरीबाम

रक्षापंक्ति : दीप ग्रेस एक्का, गुरजीत कौर, निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, सुमन देवी थौदाम, अक्षता अबसो ढेकाले, रश्मिता मिंज, निशा, सलीमा टेटे

मध्य पंक्ति : महिमा चौधरी, सुशीला चानू , ज्योति, नवजोत कौर, मोनिका, नमिता टोप्पो, सोनिका, बलजीत कौर, उपासना सिंह

अग्रिम पंक्ति : लालरेम्सियामी, नवनीत कौर, नेहा, राजविंदर कौर, वंदना कटारिया, शर्मिला देवी, मारियाना कुजुर, दीपिका, संगीता कुमारी, प्रीति दुबे, ऐश्वर्या राजेश चव्हाण। रानी, रीना खोखर, मनप्रीत कौर 'रिहैबिलिटेशन' में हैं।

पुरुष सीनियर टीम

गोलकीपर : पीआर श्रीजेश, कृष्ण बी पाठक, सूरज करकेरा

रक्षापंक्ति : हरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, सुरेंद्र कुमार, वरुण कुमार, जरमनप्रीत सिंह, नीलम संजीव जेस, दीपसन टिर्की, मंदीप मोर, संजय

मध्य पंक्ति : मनप्रीत सिंह, नीलकांत शर्मा, सुमित, हार्दिक सिंह, जसकरण सिंह, राजकुमार पाल, शमशेर सिंह, विवेक सागर प्रसाद, रबीचंद्र सिंह मोइरंगथेम, आशीष कुमार टोपनो, जुगराज सिंह

अग्रिम पंक्ति : गुरजंत सिंह, मनदीप सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, आकाशदीप सिंह, गुरसाहिबजीत सिंह, शिलानंद लकड़ा, दिलप्रीत सिंह, अभिषेक , मोहम्मद राहील, सुखजीत सिंह, सिमरनजीत सिंह, गुरिंदर सिंह।

लारा के साथ नजर आये विराट

मुम्बई । रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली लीग आईपीएल के 15 वें सत्र में लगातार नाकाम रहे हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल के 36वें लीग मैच में भी. कोहली पहली ही गेंद पर पवेलियन लौट गए। वह इस आईपीएल में लगातार दूसरी बार पहली ही गेंद पर आउट हुए हैं। . इस मैच के बाद विराट को वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान ब्रायन लारा के साथ मैदान पर बातचीत करते हुए देखा गया। लारा सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाजी कोच हैं। कोहली को लारा के साथ बात करते हुए प्रशंसकों ने अंदाजा लगाया है कि विराट अपने फार्म को लेकर उनसे सलाह ले रहे होंगे। विराट और लारा की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर वायरल है। इसमें आरसीबी ने भी अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर दोनों की तस्वीरें साझा की गयी हैं। वहीं एक यूजर ने लिखा, ' दो दिग्गजों को एक साथ देखकर खुशी हुई है। अगले मुकाबले में बड़ी पारी आने वाली है।' गौरतलब है कि कोहली ने आईपीएल की आठ पारियों में 122.68 के स्ट्राक रेट से कुल 119 रन बनाए हैं जिसमें 48 रन उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर रहा है। अभी तक उनके बल्ले से सिर्फ 9 चौके और 2 छक्के निकले हैं।

समर सीजन में आउटफिट के साथ इन पांच एक्सेसरीज को भी रखें अपडेट

मौसम के हिसाब से अपने वार्डरोब को अपडेट करना बहुत ही जरूरी है जिससे आपको कम्फर्ट के साथ स्टाइलिश लुक भी मिले। कई बार ऐसा होता है कि हम आउटफिट पर बहुत ध्यान देते हैं लेकिन मैचिंग एक्सेसरीज को हम इग्नोर कर देते हैं। ऐसे में समर सीजन में आपको कुछ एक्सेसरीज को अपने वार्डरोब का हिस्सा जरूर रखना चाहिए–

स्कार्फ बनाए आपको परफेक्ट

गर्मियों के दिनों में स्कार्फ धूप से बचाने के साथ स्टाइलिश लुक देने के लिए काफी है। समर सीजन में आउटफिट के साथ मैच होते स्कार्फ को स्टाइल स्टेटमेंट का हिस्सा जरूर बनाएं।

हैट्स आपको बनाए कूल

गर्मियों के दौरान हैट्स भी आपके लुक को कुल अंदाज देती है। हैट्स आपके लुक को बढ़ाने के साथ ही आपके बालों और चेहरे को भी तेज धूप से बचाती है। खासतौर पर आउटिंग या ट्रिप पर ड्रेस से मैचिंग हैट पहनें जिससे आपको परफेक्ट लुक मिलेगा।

स्टाइलिश सनग्लासेस

गर्मियों के फैशनबल एक्सेसरीज में चश्मे सबसे पहले आते हैं। यह आपको गर्मियों में नया और ट्रेंडी लुक देते हैं। गर्मियों के दौरान सभी की आंखों पर सनग्लासेस देखे जाते हैं। आपको चेहरे के हिसाब से सनग्लासेस को चुनना चाहिए लेकिन कोशिश करें कि फ्रेम मे मेटल क्लासी वर्क को ही चुनें।

फुटवेयर भी है स्टाइलिश

फुटवेयर भी आउटफिट के हिसाब से होने चाहिए। साथ ही इस मौसम में पसीना बहुत आता है। खासकर जिन महिलाओं के पैरों में पसीना आता है, उनको ऐसे फुटवियर को चुनना चाहिए, जिसमें पैरों में हवा लगती रहे और पसीना न आने पाए।

हैंडबैग को न भूलें

इस बार समर में आपको नया ट्रेंडी बैग लेना चाहिए। आपको अगर हैंडबैग की आदत नहीं है, तो कोई स्टाइलिश वन साइड बैग या बैकपैक लेकर आप इसे अपने स्टाइल स्टेटमेंट का हिस्सा बना सकते हैं।

इन छोटे-छोटे उपायों से मीठी नींद में सोएगा आपका बच्चा

बड़ों की तरह ही बच्चों में सोने की भी अलग–अलग आदतें होती हैं। कई बच्चे थोड़ी–सी भी फिजिकल एक्टिविटी करते ही बार–बार सो जाते हैं, तो कुछ बच्चों को बहुत ही मुश्किल से नींद आती है। बच्चों की हेल्थ के लिए उनकी 10–11 घंटे की नींद बहुत जरूरी है। ऐसे में अगर आपका बच्चा सोता नहीं है, तो आपको उसे सुलाने के लिए कुछ टिप्स अपनाने चाहिए–

इन बातों का भी रखें ध्यान

- बच्चे को रोज अलग सुलाने की कोशिश करें। अगर आप शुरू से ही ऐसा करेंगी, तो इससे उसमें अलग सोने की आदत पड़ेगी।
- सुलाने से पहले बच्चे की मालिश करना भी काफी फायदेमंद रहता है, इससे उसको अच्छी नींद आएगी।
- सुलाने से पहले बच्चे की सफाई पर भी ध्यान दें। खास कर नाक, कान और मुंह की ठीक से सफाई करके उन्हें सुलाएं।
- बच्चे को सुलाते वक्त कमरे में अंधेरा जरूर कर दें, क्योंकि अंधेरे में नींद से जुड़ा हार्मोन सक्रिय होता है। यही हार्मोन नींद लाने में सहायक होता है।
- कमरे की खिड़की के परदे जरूर फैला दें और संभव हो तो दरवाजे को भी बंद कर दें, ताकि बच्चा बाधारहित अच्छी नींद ले सके।
- धीमा म्यूजिक और वार्म लाइट भी बच्चे को अच्छी नींद देने में मददगार होते हैं। इसकी व्यवस्था आप उसके कमरे में कर सकती हैं।
- जब आपका बच्चा सो रहा हो, तो घर में तेज आवाज वाले उपकरण जैसे मिक्सी, वैक्यूम क्लीनर आदि का इस्तेमाल न करें। इससे बच्चे डर कर जाग जाते हैं।
- आप चाहें तो बच्चे के साथ सो सकती हैं, जब तक कि वह सो नहीं जाता। लेकिन उससे लिपट कर ना सोएं, वरना उसको इसकी आदत हो जाती है और आपके –हटते ही उसकी नींद टूट जाती है। बेहतर यही होगा कि आप अपने बच्चे को इस तरह की आदत ना डालें।
- जब बच्चा हल्की नींद में हो, तभी उसे गोद से या झूले से निकाल कर बिस्तर पर सुला दें।

माता–पिता की इन पांच आदतों की वजह से बच्चों का कॉन्फिडेंस लेवल होता है डाउन

कहते हैं कि पैरेंटिंग का मतलब सिर्फ बच्चे को जन्म देकर उसे पालना ही नहीं बल्कि पैरेंटिंग से समाज के लिए एक जिम्मेदारी भी जुड़ी हुई है। बच्चों की अच्छी परवरिश अच्छे समाज की नींव भी है। बचपन में आप बच्चों को जो भी सिखाते हैं, वे बातें उनके मन पर छप जाती है। बड़े होने पर उनकी पर्सनैलिटी के लिए बचपन के अनुभव और परवरिश भी जिम्मेदार होती हैं। आपने कुछ लोगों को देखा होगा कि उनमें प्रतिभा होने के बाद भी आत्मविश्वास की कमी होती है। इसके कई कारण हो सकते हैं लेकिन बचपन में कुछ बातें भी इसके लिए जिम्मेदार हैं। ऐसे में हर माता–पिता को कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए–

बच्चों का मजाक न उड़ाएं

कोई भी बात कितनी बड़ी है या छोटी, यह नजरिए के साथ उम्र पर भी निर्भर करती है। जैसे, आपके लिए बेड से जम्प करके नीचे कूदना, फुटबॉल पर किक करना छोटी बात हो सकती हैं, लेकिन किसी बच्चे के लिए ये बातें बहुत मैटर करती हैं। आपको कभी भी बच्चे की छोटी से छोटी बातों का मजाक नहीं उड़ाना चाहिए।

बच्चों की तुलना करने से बचें

हर बच्चा प्यारा होता है। सभी की अलग आदतें होती हैं लेकिन बचपन में एक आदत कॉमन होती है, वे है दूसरे बच्चों को अच्छा बताने पर बच्चे इसे मन पर ले लेते हैं। ऐसे में सम्भावना रहती है कि बच्चे दूसरे बच्चों से चिढ़ने लगते हैं या खुद को कमतर समझने लगते हैं इसलिए बच्चों की तुलना करने से बचें।

हर काम में कमी निकालना

बचपन में किसी भी काम को परफेक्टली करने से ज्यादा जरूरी है, बच्चों का कोई न कोई एक्टिविटी करते रहना। ऐसा करने से बच्चे की एनर्जी सही दिशा में लगती है। जैसे, अगर आपका बच्चा पेंटिंग करता है, तो उसकी पेंटिंग में कमियां निकालने की जगह उसकी अच्छी चीजों की तारीफ करें।

दूसरों के सामने बच्चों की बुराई

कई माता–पिता दूसरे लोगों या आस–पड़ोस में अपने बच्चों की शिकायतें करते रहते हैं। कई बार माता–पिता मजाक की तरह या सिर्फ गपशप करने के इरादे से भी ऐसा करते हैं लेकिन बच्चे के मन में ये बातें घर कर जाती हैं और उनका आत्मविश्वास डगमगाने लगता है।

बच्चों को छोटी–छोटी बातों पर पीटना

बचपन में हुई कोई भी गलती इतनी बड़ी नहीं होती, जिसपर बच्चों को पीटकर ही समझाया जाए। बच्चों को हर छोटी बातों पर मारने से वे खुद को सेफ फील नहीं करते। उन्हें हमेशा लगता है कि वे बहुत बुरे हैं और उनके मम्मी–पापा उन्हें बिल्कुल पसंद नहीं करते। साथ ही उनके अंदर असुरक्षा की भावना इतनी बढ़ जाती है कि वे डरने लगते हैं।

क्रिएटिव तरीकों को अपनाएं और बच्चों के साथ बिताएं क्वालिटी टाइम

वर्तमान समय में, बच्चों को सबसे ज्यादा जिस चीज की जरूरत होती है वह है माता-पिता का समय। आमतौर पर पैरेंट्स अपने बच्चों को हर सुख-सुविधा देना चाहते हैं और इसलिए वे कड़ी मेहनत करते हैं। लेकिन इस बीच वे यह भूल जाते हैं कि लग्जरी आइटम से भी ज्यादा बच्चे अपने माता-पिता का साथ, उनका प्यार व समय चाहते हैं। इसलिए आप उनके लिए मेहनत करें लेकिन फिर भी उनके साथ क्वालिटी टाइम बिताना ना भूलें। यह कहीं ना कहीं आपके भीतर के तनाव को भी कम करने में मददगार होगा।

अगर आप भी बच्चों के साथ क्रिएटिव तरीके से एक अच्छा समय बिताना चाहते हैं और आपको समझ नहीं आ रहा है कि वास्तव में क्या किया जाए तो परेशान ना हों। आज इस लेख में हम आपको बच्चों के साथ क्वालिटी टाइम बिताने के कुछ क्रिएटिव आईडियाज के बारे में बता रहे हैं, जो यकीनन आपको भी काफी पसंद आएंगे–

बनाएं मार्निंग रूटीन

कहते हैं कि दिन की शुरूआत जैसी होती है, पूरा दिन भी वैसा ही गुजरता है। इसलिए अगर संभव हो तो आप बच्चे के साथ एक मार्निंग रूटीन सेट कर सकती हैं। इसमें आप कंबल तय करने से लेकर उनके साथ पार्क में वॉक कर सकते हैं या फिर बच्चों के साथ योगाभ्यास करना भी एक अच्छा आईडिया है। इससे आप ना सिर्फ उनके साथ अच्छा समय बिता पाते हैं, बल्कि इससे उनका शारीरिक व मानसिक विकास होने में भी मदद मिलती है।

प्लॉन करें गेम्स

सुनने में आपको शायद यह बेहद ही सिंपल नजर आए, लेकिन वास्तव में इस तरीके से आप ना सिर्फ बच्चों के साथ एक फन टाइम बिता सकते हैं, बल्कि इससे आपके लर्निंग स्किल्स और रचनात्मकता को भी बढ़ा सकती हैं। आप उनके साथ कुछ ऐसे गेम्स खेलें, जिसमें उनकी फिजिकल और मेंटल एक्सरसाइज हो।

बेडटाइम स्टोरीज को ना भूलें

अगर आप पूरा दिन काफी बिजी रहते हैं तो ऐसे में आप रात के समय एक रूटीन बना सकते हैं, जिसमें आप बेडटाइम पर उन्हें कहानी सुनाएं। बेडटाइम आमतौर पर आपके बच्चे की कल्पना को उत्तेजित करने का समय होता हैं। साथ ही साथ कहानियां सुनने से उन्हें नींद भी अच्छी आती है जो उनके शारीरिक और मानसिक विकास के लिए जरूरी है। अगर आपका बच्चा उम्र में थोड़ा बड़ा है तो आप कुछ ऐसा भी कर सकते हैं कि एक दिन कहानी आप सुनाएं और दूसरे दिन उन्हें सुनाने के लिए कहें। बच्चे कहीं पर पढ़ी या सुनी हुई स्टोरीज के साथ–साथ खुद भी एक कहानी बनाकर आपको सुना सकते हैं।

एक्टिविटीज में आएगा बेहद मजा

बच्चों को हमेशा कुछ ना कुछ नया करना काफी अच्छा लगता है। ऐसे में आप घर में रखी पुरानी चीजों की मदद से उनके साथ कोई एक्टिविटी कर सकती हैं। आप घर के लिए कोई डेकोर आइटम तैयार करें या फिर उन्हें पेंट करने दें। इसी तरह जब आप उनके साथ अलग–अलग एक्टिविटीज करेंगी तो इससे वह खुद भी कई चीजें बनाने के लिए प्रेरित होंगे और उनके दिमाग में कई नए आईडियाज आएंगे।

कपड़ों की सिलवटें बिना प्रेस किए भी हो सकती हैं दूर

आपका अचानक किसी जरूरी मीटिंग या पार्टी में जाने का प्लान बने और जैसे ही आप वहां पहनने के लिए अलमारी से कपड़े निकालें कि लाइट चली जाए या प्रेस खराब हो जाए, ऐसा अक्सर कई लोगों के साथ हुआ होगा। ऐसी स्थिति में मन में पहला ख्याल यही आता है, काश! कोई ऐसा तरीका होता जिससे बिना प्रेस किए कपड़ों की सिलवटें अपने आप दूर हो जाती। अगर आपने भी कभी ऐसी ही कोई विश की है तो आपकी विश को पूरा करते हुए आपको बताते हैं वो असरदार तरीके, जिनकी मदद से आप कपड़ों की सिलवटों को बिना प्रेस किए भी आसानी से हटा सकते हैं।

बिना प्रेस कपड़ों से हटाएं सिलवटें

टॉवल– टॉवल की मदद से कपड़ों की सिलवटें दूर कर सकती हैं। इसके लिए सिलवट वाले कपड़े को बिछा दें और फिर गीले टॉवल से कपड़े की सिलवट वाली जगह को दबाएं। ऐसा करने से कपड़े की सिलवटें दूर हो जाएंगी।

भारी सामान –जिस कपड़े पर सिलवट हैं उसे मैट्रेस या किसी भारी सामान के नीचे कुछ घंटों के लिए दबाकर रख दें। इससे आपके कपड़ों की सिलवटें निकल जाएंगी।

स्प्रे बोतल–पानी में सिरका मिलाकर उसे एक स्प्रे बोतल में डालकर सिलवट वाली जगह डालें। ऐसे में कपड़े के सूखने के बाद सिलवटें नजर नहीं आएंगी।

भारी बर्तन – छोटे भारी बर्तनों की मदद से भी आप अपने कपड़ों की सिलवटों को दूर कर सकते हैं। इसके लिए एक भारी तले के बर्तन को तेज आंच पर गर्म करके प्रेस की तरह कपड़ों की सिलवटों को दूर करें। बर्तन की तली साफ रखें वरना कपड़े दाग लगने से गंदे हो सकते हैं।

ब्लो ड्रायर– ब्लो ड्रायर की मदद से भी सिलवटों को दूर किया जा सकता है। कपड़ों की सिलवटें दूर करने के लिए सबसे पहले आपको जिस कपड़े की सिलवट दूर करनी है, उसे बिछा लें और इस पर हल्के हाथ से पानी की कुछ बूंदें डालकर ब्लो ड्रायर की मदद से सिलवटें दूर करें।

आइस क्यूब– वॉशिंग मशीन के ड्रायर में 2– 4 आइस क्यूब के साथ अपने सिलवट वाले कपड़े भी डालकर ड्रायर चला दें। इसके बाद कपड़ों को ड्रायर से निकालकर कपड़ों को हल्के से झटक कर टांग दें। आपके कपड़ों की सिलवटें दूर हो जाएंगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

भीषण बिजली संकट से जूझ रहा पाकिस्तान, 8 से 15 घंटे अंधेरे में रहने को मजबूर लोग

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की नई सरकार भी जनता की परेशानी दूर करने में नाकाम हो रही है। गर्मी के भीषण मौसम में लोड शेडिंग की समस्या बढ़ती जा रही है और लोगों को इससे काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। खबरों के मुताबिक, गर्मी में पाकिस्तान के कई शहरों में रोजोना 8 से 15 घंटे बिजली गुल हो रही है। द न्यूज की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान के शहर कराची, लाहौर, रावलपिंडी, क्वेटा, पेशावर, मुल्तान, बदीन, स्वात सहित कई अन्य शहरों में बिजली संकट की परेशानी बढ़ती जा रही है। यहां लंबे समय तक लोड शेडिंग हो रही है, जिसके कारण लोगों को काफी परेशानी हो रही हैं। रमजान के महीने में लोगों को अपनी सेहरी और इफ्तार अंधेरे में करने को मजबूर होना पड़ रहा है। कराची के कई इलाकों में 15 घंटे तक लोड शेडिंग की खबरा सामने आई है। शहर के लोड शेडिंग मुक्त क्षेत्रों में भी बिजली की कटौती देखने को मिल रही है। कई इलाकों में लोड शेडिंग की अवधि 8 से बढ़ाकर 15 घंटे कर दी गई है। के इलेक्ट्रिक के प्रवक्ता के मुताबिक, राष्ट्रीय ग्रिड से 300 मेगावट की कमी के कारण यह बिजली आपूर्ति में परेशानी आ रही है। वहीं पंजाब के कई शहरी इलाकों में 8 से 9 घंटे तक लोड शेडिंग हो रही है। वहीं ग्रामीण इलाकों में 10 से 12 घंटे तक बिजली का नामोनिशान नहीं है। पावर डिवीजन ने कहा कि देश 17 हजार मेगावट बिजली उत्पादन कर रहा है लेकिन मांग बढ़ने से यह 19 हजार मेगावट तक पहुंच गई है।

मिस्त्र की सरकार ने रमजान महीने में 41 कैदियों को किया रिहा, जेल में बंद थे कई राजनैतिक कार्यकर्ता

काहिरा, मिस्त्र में मुसलमानों के पाक माह रमजान के खत्म होने से एक सप्ताह पहले रविवार को 41 कैदियों को रिहा किया गया। इस समय आम तौर पर कैदियों को माफी दी जाती है। एक राजनीतिक दल और आधिकारिक मीडिया ने यह जानकारी दी। राजनीतिक कार्यकताओं और परिवार के सदस्यों ने कई कैदियों की रिहाई की पुष्टि की है। ह्यद रिफॉर्म एंड डेवलपमेंट पार्टीह्ल ने बताया कि रिहा किए गए लोग राजनीतिक कैदी थे, जिन्हें उनके खिलाफ दर्ज मामलों में सुनवाई होने से पहले ही हिरासत में ले लिया गया था। सरकारी अखबार ह्यअल-अहरामह्ल के अंग्रेजी संस्करण की एक खबर के अनुसार, कुल 41 कैदियों को रिहा किया गया है। सरकार के मानवाधिकार निकाय ने एक बयान में बताया कि केवल उन लोगों को रिहा किया गया है, जिन्हें उनके खिलाफ दर्ज मामलों में सुनवाई शुरू होने से पहले गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, उन्होंने इस संबंध में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। यह कदम रमजान के अंत में ईद की छुट्टी से एक हफ्ते पहले उठाया गया है। यह आम तौर पर एक ऐसा समय होता है, जब कैदियों को राष्ट्रपति की क्षमा पर रिहा किया जाता है। इस साल रिहा किए गए कैदियों की संख्या हाल के वर्षों में रिहा किए गए कैदियों में सर्वाधिक है। ऐसा कहा जाता है कि मिस्त्र की जेलों में हजारों राजनीतिक कैदी हैं, जिनमें अधिकतर के खिलाफ दर्ज मामलों में सुनवाई भी शुरू नहीं हुई है। रिहा होने वालों में राजनीतिक कार्यकर्ता वलीद शौकी भी हैं। उनकी पत्नी हेबा अनीस ने सोशल मीडिया पर उनके साथ एक तस्वीर साझा करते हुए यह जानकारी दी। कार्यकर्ता एसरा अब्देल फत्ताह ने बताया कि पत्रकार मोहम्मद सलाह को भी रिहा कर दिया गया है। मानवाधिकार के मामलों के वकील नाबेह एलगनादी ने रादवा मोहम्मद के साथ एक तस्वीर साझा की, जिन्हें राष्ट्रपति अब्देल फत्तह अल-सिसी की आलोचना करते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा करने के बाद गिरफ्तार किया गया था। इस बीच, कई लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। मानवाधिकार मामलों के वकील खालिद अली ने शनिवार को बताया कि देश के दक्षिणी हिस्से में कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है और उन पर झूठ फैलाने का आरोप लगाया गया। इन लोगों ने ऑनलाइन साझा किए गए एक वीडियो में बढ़ती खाद्य कीमतों के खिलाफ एक गीत गाया था।

इजरायल के विदेश मंत्री ने हमास पर यरुशलम में हिंसा की साजिश रचने का लगाया आरोप

यरुशलम। इजराइल के विदेश मंत्री येर लापिद ने रविवार को यरुशलम स्थित संवेदनशील धार्मिक स्थल में हुई हालिया हिंसा के लिए चरमपंथी समूह हमास को जिम्मेदार ठहराया। वह हिंसा से निपटने के लिए इजराइली पुलिस द्वारा उठाए गए सख्त कदमों से जुड़े सवाल पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। गौरतलब है कि हाल ही में यरुशलम स्थित अल-अक्सा मस्जिद में पुलिसकर्मियों और फलस्तीनी युवकों के बीच झड़पें हुई थीं। यह स्थान यहूदियों और मुसलमानों, दोनों के लिए एक पवित्र स्थल है। लापिद ने संवाददाताओं से बातचीत में हमास पर रमजान के पाक महीने के दौरान अल-अक्सा मस्जिद पर होने वाली गतिविधियों पर नियंत्रण करने और फलस्तीनी युवाओं को इजराइली पुलिस पर पथराव के लिए उकसाने का आरोप लगाया। विदेश मंत्री ने कहा, उन्होंने ऐसा इसलिए किया, ताकि बलों को मस्जिद के भीतर प्रवेश करने के लिए मजबूर किया जा सके और इससे पूरे क्षेत्र में तनाव पैदा हो।

नाइजीरिया में तेल रिफाइनरी में विस्फोट, 100 से ज्यादा लोगों की मौत

अबुजा। दक्षिण-पूर्वी नाइजीरिया में एक अवैध तेल रिफाइनरी में हुए विस्फोट में कम से कम 100 लोगों की मौत होने की आशंका है। एक स्थानीय तेल अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल पर शवों की तलाश तेज कर दी गई है। इसके अलावा विस्फोट में शामिल दो संदिग्धों की तलाश भी शुरू हो गई है। नाइजीरिया के राष्ट्रपति मोहम्मदू बुहारी ने एक बयान जारी कर विस्फोट को एक दुर्घटना और राष्ट्रीय आपदा करार दिया है। सरकारी अधिकारियों ने एसोसिएटिड प्रेस को बताया कि विस्फोट शुक्रवार की रात को इमो राज्य में सरकारी क्षेत्र ओहाजी-एगबेमा में स्थित रिफाइनरी में हुआ। विस्फोट दो ईंधन भंडारण क्षेत्रों में आग लगने के कारण हुआ, जहां 100 से अधिक लोग काम करते थे। दर्जनों श्रमिक विस्फोट की चपेट में आ गए जबकि कई अन्य ने भाग कर जान बचाने की कोशिश की। इमो राज्य के पेट्रोल संसाधनों के आयुक्त गुडलक ओपिया ने कहा कि आपदा में मरने वालों की संख्या 100 के आसपास होने का अनुमान है।

यकृत की रहस्यमयी बीमारी से एक बच्चे की मौत : डब्ल्यूएचओ

बर्लिन। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने कहा है कि यूरोप और अमेरिका में बच्चों को प्रभावित करने वाली यकृत की एक रहस्यमयी बीमारी से एक बच्चे की मौत होने की सूचना मिली है। डब्ल्यूएचओ ने शनिवार को कहा कि उसे अब तक दर्जनभर देशों से 'अज्ञात स्रोत के एक्यूट हेपटाइटिस' के कम से कम 169 मामलों की जानकारी प्राप्त हुई है। पीड़ितों में एक महीने से लेकर 16 साल तक के बच्चे शामिल हैं और बीमार पड़ने वाले 17 बच्चों को यकृत प्रतिरोपण की जरूरत पड़ी। हालांकि, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने यह नहीं बताया कि किस देश में मौत हुई है। इस बीमारी के शुरूआती मामले ब्रिटेन में सामने आए थे जहां 114 बच्चों में इसके लक्षण देखे गए। डब्ल्यूएचओ के एक बयान में कहा गया, 'यह स्पष्ट नहीं है कि हेपटाइटिस के मामले बढ़े हैं या पहले से अधिक मात्रा में हेपटाइटिस के मामले सामने आए हैं जो पहले नहीं आते थे।' विशेषज्ञों का मानना है कि यह मामले ठंड से संबंधित वायरस के हो सकते हैं और इसपर अनुसंधान जारी है।

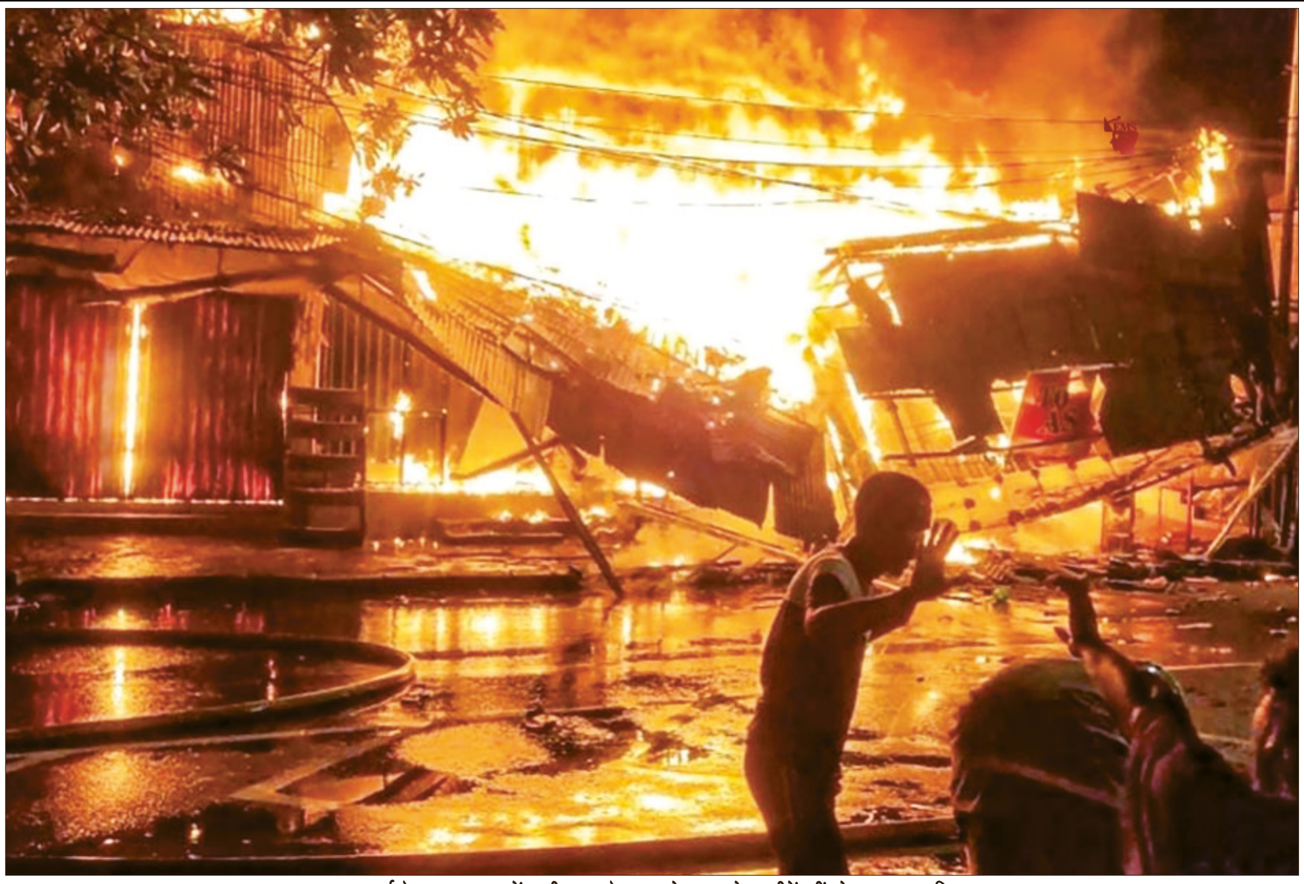

जकार्ता के एक बाजार में लगी आग के बाद मोबाइल से तस्वीरें खींचते हुए एक व्यक्ति।

कोविड-19 के बढ़ते मामले दक्षिण अफ्रीका के लिए चिंता का विषय : स्वास्थ्य मंत्री

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के स्वास्थ्य मंत्री जोए फाहला ने कहा कि पिछले एक सप्ताह से कोविड-19 के दैनिक मामलों में हो रही वृद्धि देश के लिए ह्यचिंता का विषयह्ल है। उन्होंने उम्मीद जताई कि संक्रमण में आ रही तेजी से देश के टीकाकरण अभियान पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। स्वास्थ्य मामलों की संसदीय समिति को शुक्रवार को जानकारी प्रदान करते हुए फाहला ने कहा कि सरकार इस संबंध में कोई भी कदम उठाने से पहले संक्रमण में हो रही वृद्धि पर करीब से नजर रखेगी। उन्होंने कहा, 'पिछले कुछ दिनों से हम कोविड-19 के मामलों में वृद्धि का चिंताजनक संकेत देख रहे हैं। हम आशा करते हैं कि यह और नहीं बढ़ेगा। हम स्थिति पर नजर रख रहे हैं तथा इसे देखने के बाद समिति और जनता को इसकी जानकारी देंगे। इसका रुख किस ओर जाता है यह पक्का करने के लिए हमें कुछ और वक्त की जरूरत है।' नेशनल इंस्टिट्यूट फॉर कम्युनिकेबल डिजीज (एनआईसीडी) की रिपोर्ट के अनुसार, देश में लगातार दो दिन से संक्रमण के 4,000 से ज्यादा नए मामले सामने आ रहे हैं जो पहले आ रहे नए मामलों के मुकाबले दोगुना हैं। कोरोना वायरस संक्रमण से 12 और लोगों की मौत होने से देश में इस महामारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,00,298 हो गई है। संक्रमण की दर 15.8 फीसदी दर्ज की गई है जो दक्षिण अफ्रीका में पिछले तीन महीनों में सर्वाधिक है।

भारतीय लोकतंत्र समावेशी विकास का 'आदर्श उदाहरण' : ओम बिरला

सिंगापुर (एजेंसी)

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रविवार को कहा कि भारतीय लोकतंत्र और इसकी संस्थाओं ने दुनिया के सामने समावेशी विकास का एक आदर्श उदाहरण पेश किया है। तीन देशों की यात्रा पर भारतीय संसद के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे ओम बिरला रविवार को सिंगापुर पहुंचे।

यहां भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आजादी के 75 वर्षों में भारत में व्यापक राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक बदलाव से गुजरा है। लोकसभा अध्यक्ष ने सरकार द्वारा रक्षा और प्रोद्योगिकी क्षेत्र में नए अवसर पैदा किए जाने की जानकारी दी। उन्होंने कहा, 'हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था और संस्थाओं ने पूरी दुनिया के सामने समावेशी विकास का एक आदर्श उदाहरण पेश किया है। हमारा लोकतंत्र दुनिया का सबसे पुराना और सबसे जीवंत लोकतंत्र है।'

ओम बिरला ने कहा, 'यह हमारी उपलब्धि है कि इतना विशाल और विविधतापूर्ण देश होने के बावजूद लोकतांत्रिक विचारधारा ने हमें एकजुट रखा है। आज देश के सभी हिस्सों के लोग, सभी भाषाओं के लोग राष्ट्र की सेवा में काम कर रहे हैं। वे 'राष्ट्र पहले' की भावना से राष्ट्र का निर्माण कर रहे हैं।' भारत सरकार की विभिन्न पहलों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि प्रतिभाशाली युवाओं और उद्यमियों की क्षमता का पूरा उपयोग करने के लिए 'स्टार्ट अप इंडिया', 'डिजिटल इंडिया', 'स्टैंड अप इंडिया' और 'स्किल इंडिया' जैसे अभियान शुरू किए गए हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा, 'आज भारत को पूरी दुनिया में सकारात्मक बदलाव के प्रतीक के तौर पर देखा जा रहा है। वर्तमान युग भारत में सामाजिक-आर्थिक बदलाव का युग है, नवाचार का युग है।'

सिंगापुर में भारतीय समुदाय की भूमिका के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय समुदाय भारत की पूर्व की ओर देखो नीति की प्रमुख ताकतों में से एक है। ओम बिरला ने कहा, 'अपनी पूर्व की ओर देखो नीति के आधार पर हम दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र के देशों के साथ आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए नीतिगत निर्णय ले रहे हैं। हमने पूर्वी क्षेत्र के देशों के साथ ऐतिहासिक रूप से सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंध साझा किए हैं। बौद्ध धर्म के रूप में हमारी एक साझा विरासत है।' उन्होंने कहा कि भारत हमेशा वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए खड़ा रहा है। बकौल ओम बिरला, ह्लहमने हमेशा माना है कि वैश्विक समृद्धि और प्रगति तभी संभव है, जब हमारा अंतिम लक्ष्य शांति और स्थिरता हो और हम अन्य देशों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने की नीति का पालन करें।ह्व उन्होंने कहा कि भारतीय समुदाय देशों के बीच दूरी पाटने और द्विपक्षीय संबंध सुधारने में उत्प्रेरक की भूमिका निभा रहा है। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि भारत और सिंगापुर का साझा परंपराओं, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, व्यापार और मैत्रीपूर्ण संबंधों का सदियों पुराना इतिहास है। दोनों देशों के मजबूत द्विपक्षीय संबंध लंबे समय से चले आ रहे राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक सहयोग पर आधारित हैं।

एमैनुएल मैक्रों ने चुनाव में जीत के बाद फ्रांस की जनता का आभार व्यक्त किया

पेरिस। (एजेंसी)

एमैनुएल मैक्रों ने एक बार फिर फ्रांस का राष्ट्रपति चुने जाने पर देश की जनता को ह्लधन्यवादह्व कह कर आभार व्यक्त किया तथा उन्हें पांच और साल के लिये सत्ता सौंपने वाले लोगों की प्रशंसा की। मैक्रों ने उन लोगों का भी आभार व्यक्त किया, जिन्होंने न केवल उनके विचारों से प्रभावित होकर बल्कि धुर-दक्षिणपंथी प्रतिद्वंद्वी मेरिन ली पेन को सत्ता से दूर रखने के लिये उन्हें वोट दिया। उन्होंने कहा, मैं अब किसी एक खेमे का उम्मीदवार नहीं रहा बल्कि हम सभी का राष्ट्रपति बन गया हूं। चुनाव एजेंसियों के अनुमान अनुसार मैक्रों ने रविवार को हुए चुनाव में आसान जीत दर्ज की है। चुनाव में जीत मिलने के बाद वह अपनी पत्नी ब्रिगिट के हाथों में हाथ डाले एफिल टावर के नीचे एक स्थान पर पहुंचे, जहां उनके समर्थक मौजूद थे। इस दौरान यूरोपीय संघ का गीत बजाया गया।

श्रीलंका में प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री का आवास घेरा

कोलंबो (एजेंसी)

श्रीलंका में सरकार विरोधी प्रदर्शनों को 16 दिन हो गए हैं और इस बीच रविवार को यहां प्रधानमंत्री आवास को छात्र प्रदर्शनकारियों ने घेर लिया। इंटर यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स फेडरेशन (आईयूएसएफ) के हजारों छात्रों को विजेरमा मवाता में प्रधानमंत्री के आवास के बाहर नारेबाजी करते हुए देखा गया। तस्वीरों में अनेक छात्र प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास की चारदीवारी के पास प्रदर्शन करते दिखे।

प्रदर्शनकारी राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे और प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। कुछ प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री आवास की दीवारों पर 'राजपक्षे, घर जाओ' लिख दिया। श्रीलंका में नौ अप्रैल से हजारों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे हुए हैं।

देश में बुरे आर्थिक हालात हैं और सरकार के पास महत्वपूर्ण उत्पादों के आयात के लिए धन नहीं बचा है, आवश्यक वस्तुओं के दाम आसमान छू रहे हैं और ईंधन, दवाओं तथा बिजली की भारी कमी है। प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे द्वारा अंतरिम सरकार की मांग को खारिज किए जाने के एक दिन बाद, रविवार को विरोध प्रदर्शन और नाजुक मोड़ लेते नजर आए। इस बीच, पुलिस ने सप्ताहांत में प्रदर्शनकारियों को कोलंबो की कुछ सड़कों पर प्रवेश नहीं करने की चेतावनी देते हुए कहा कि अदालत के ऐसे आदेश हैं।

भारतीय छात्र वापस आना चाहते हैं: फिलीपीन की पर्यटन सचिव

मनीला। फिलीपीन की पर्यटन सचिव बनार्डेट रोमूलो पुयात ने कहा है कि उनके देश में पढ़ाई करने वाले और कोविड के कारण अपने वतन चले गए कई भारतीय विद्यार्थी यहां वापस आना चाहते हैं। मनीला में 22 अप्रैल को खत्म हुए विश्व यात्रा एवं पर्यटन परिषद (डब्ल्यूटीटीसी) वैश्विक सम्मेलन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए पुयात ने कहा कि उन्होंने भारतीय विद्यार्थियों के फिलीपीन वापस आने के मुद्दे पर अपने भारतीय समकक्ष से चर्चा की है। एक अधिकारी ने कहा कि फिलीपीन में करीब 16,000 भारतीय विद्यार्थी थे, जिनमें से अधिकांश मेडिकल की पढ़ाई कर रहे थे और कई ने अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए भारत से वापस आने की इच्छा व्यक्त की है। पुयात ने कहा, 'वास्तव में, जब हमने फिर से स्थिति को सामानन्य करने की कोशिश की, तो उनमें से बहुत से लोगों ने मुझे संदेश भेज कर कहा कि वे वापस आना चाहते हैं ताकि वे यहां अपनी पढ़ाई जारी रख सकें।' उन्होंने कहा कि सम्मेलन में हिस्सा लेने वालों में कोविड-19 का कोई मामला नहीं मिला, जो बताता है कि 'हम सामान्य स्थिति की ओर धीरे-धीरे लौट रहे हैं।' उन्होंने कहा कि एक अप्रैल को पर्यटकों के लिए देश को फिर से खोले जाने के बाद से भारतीय सैलानी फिलीपीन आ रहे हैं। पुयात ने कहा कि 'हम चाहते हैं और अधिक सैलानी हमारे देश की यात्रा करें।'

भारतीय मूल के लोग अगले 25 साल में भारत की प्रगति का हिस्सा बनें: सीतारमण

वाशिंगटन (एजेंसी)

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विदेशों में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों से अगले 25 वर्षों के दौरान देश की प्रगति में भागीदार बनने का अनुरोध किया है। अमेरिका के दौरे पर आईं सीतारमण ने सिलिकॉन वैली में आयोजित एक कार्यक्रम में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि भारत अगले 25 वर्षों में अपनी आजादी के सौ साल पूरा करने वाला है। इस दौरान विदेशों में रह रहे भारतीय मूल के लोगों को भारत की प्रगति में भागीदार बनना चाहिए। वित्त मंत्रालय की तरफ से रविवार को किए गए एक ट्वीट के मुताबिक, सीतारमण ने नवाचार और अनुसंधान के क्षेत्र में भारतीयों के योगदान पर प्रकाश डाला। इस दौरान उन्होंने अपनी सरकार की तरफ से किए गए संरचनात्मक सुधारों का भी जिक्र करते हुए भारतीय समुदाय से आजादी के अमृत काल का हिस्सा बनने का अनुरोध किया। भारत की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष से 100 वर्ष तक के समय को सरकार ने अमृत काल का नाम दिया है। इस अवधि में भारत को विकास के नए सफर पर ले जाने का संकल्प सरकार ने जताया है। सीतारमण ने अमेरिका में बड़ी संख्या में मौजूद भारतीय समुदाय के लोगों से प्रगति के इस सफर का हिस्सा बनने को कहा है।

पाकिस्तान-अफगान सीमा से आतंकवादियों को हटा रहा है तालिबान, एक दर्जन पाकिस्तानी सैनिकों की हुई थी हत्या

इस्लामाबाद। (एजेंसी)

अफगानिस्तान में तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार ने हाल ही में सीमा पार कई हमलों में लगभग एक दर्जन पाकिस्तानी सैनिकों के मारे जाने और इस्लामाबाद की ओर से कड़ा विरोध दर्ज कराए जाने के बाद आतंकवादी समूहों को पाकिस्तान की सीमा से लगे क्षेत्रों से हटाने के लिए कदम उठाना शुरू कर दिया है। मीडिया में सोमवार को आए एक समाचार में यह बात कही गई। पाकिस्तान प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) सहित अन्य आतंकी समूहों को खत्म करने को लेकर तालिबान सरकार की अनिच्छा से हाल के दिनों में काफी निराश हुआ है। तालिबान नेतृत्व इस तरह की कार्रवाई करने के लिए तैयार नहीं है क्योंकि इन समूहों ने तालिबान के साथ अमेरिका के नेतृत्व वाले विदेशी बलों के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी और इनकी विचारधारा एक जैसी है। घटनाक्रम से परिचित एक वरिष्ठ पाकिस्तानी अधिकारी ने रविवार को द एक्सप्रेस ट्रिब्यून को बताया कि हाल में सीमा पार से हुए हमलों के बाद, पाकिस्तान ने तालिबान नेतृत्व को स्पष्ट शब्दों में आतंकवादी समूहों के खिलाफ कार्रवाई करने या परिणाम भुगतने के लिए कहा। अधिकारी ने कहा, कुछ समूहों को पहले ही हमारे सीमावर्ती क्षेत्रों से हटा दिया गया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान हालांकि सिर्फ इतनी कार्रवाई से संतुष्ट नहीं है, लेकिन कम से कम तात्कालिक रूप से सीमा पार से हमलों को रोकने के तालिबान के फैसले को स्वीकार करता है। खबर में अधिकारी के हवाले से कहा गया, हमारी मांग स्पष्ट है कि इन समूहों को खत्म किया जाना चाहिए या इस तरह की कार्रवाई की जानी चाहिए कि वे फिर कभी हमारे लिए खतरा पैदा न करें। हाल के सप्ताह में सीमा पार से आतंकवादी हमलों में वृद्धि हुई है जिसमें कई पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं। उत्तरी वजीरिस्तान में शनिवार को सीमा पार से आए आतंकियों के हमले में तीन पाकिस्तानी सैनिक मारे गए थे। 14 अप्रैल को एक और आतंकवादी हमले में सात पाकिस्तानी सैनिकों की जान चली गई थी। उस हमले के बाद, पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के कुनार और खोस्त प्रांतों में कथित तौर पर आतंकवादी ठिकानों को खत्म करने के लिए हवाई हमले किए थे। अफगानिस्तान में जब तालिबान पिछले वर्ष सत्ता में लौटाथा तो पाकिस्तान को उम्मीद थी कि नयी सरकार इन आतंकवादी समूहों से निपटेगी। अधिकारी ने कहा कि वादों के बावजूद तालिबान ने अभी तक अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए कोई निर्णायक कार्रवाई नहीं की है।

सार समाचार

जहांगीरपुरी में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की जा रही है: दिल्ली पुलिस

नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस का कहना है कि दंगा प्रभावित जहांगीरपुरी में सुरक्षा उपायों की समीक्षा की जा रही है और मौजूदा स्थिति के अनुसार बलों की और तैनाती पर निर्णय लिया जाएगा। सामान्य स्थिति बहाल करने की कोशिश में हिंदू और मुस्लिम समुदाय के लोगों ने रविवार को जहांगीरपुरी सी ब्लॉक में तिरंगा यात्रा निकाली और शांति और सद्भाव का संदेश दिया। इसी ब्लॉक में 16 अप्रैल को हिंसा हुई थी। रैली निकालने में दिल्ली पुलिस ने मदद की जिसने इलाके में बड़ी संख्या में सुरक्षा कर्मी तैनात किए हुए हैं। इसने दो समुदायों के लगभग 50 लोगों को रैली में हिस्सा लेने की अनुमति दी। यात्रा के एक दिन बाद, उत्तर पश्चिम दिल्ली की पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) उषा रंगनानी ने कहा, मौजूदा स्थिति के आधार पर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की जा रही है और इसके मुताबिक, हम निर्णय लेंगे और जरूरी व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा, 'फिलहाल, इलाके में उपयुक्त और पर्याप्त सुरक्षाकर्मी तैनात किए गए हैं।' पुलिस ने कहा, 'उत्तर पश्चिमी दिल्ली में जहांगीरपुरी के हिंसा प्रभावित इलाकों में दंगा रोधी बल सहित बड़ी संख्या में सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया है।' पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, क्षेत्र में 24 घंटे 500 से अधिक पुलिस कर्मियों और अतिरिक्त बल की छह कंपनियों को तैनात किया गया है। अधिकारी ने बताया, ह्लआंसू गैस से लैस और पानी की बौछार करने वाले कुल 80 दलों को तैनात रखा गया है।

एमैनुएल मैक्रों के फिर फ्रांस के राष्ट्रपति चुने जाने पर पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली। फ्रांस में संपन्न राष्ट्रपति पद के चुनाव में वर्तमान राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने एक बार फिर जीत हासिल कर ली है उन्होंने धुर दक्षिणपंथी नेता मरीन ले पेन को करारी शिकस्त दी है। महामारी और यूक्रेन में जारी युद्ध के बीच जारी राष्ट्रपति चुनाव में मैक्रों ने उन्हें एक और मौका देने की अपील मतदाताओं से की थी। जीत के बाद उनके समर्थक खुशी से झूम उठे। एफिल टॉवर के पास लोगों ने जमकर जश्न मनाया। बंपर जीत को लेकर पूरी दुनिया के लोग एमैनुएल मैक्रों को फ्रांस का राष्ट्रपति चुने जाने के बाद बधाई दे रही हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एमैनुएल मैक्रों को उनकी जीत पर

बधाई दी। फ्रांस के राष्ट्रपति के रूप में फिर से चुने जाने पर इमैनुएल मैक्रों को बधाई देने के लिए पीएम मोदी ने सोमवार सुबह ट्विटर का सहारा लिया। अपने ट्वीट में उन्होंने लिखा, 'मेरे मित्र इमैनुएल मैक्रों को फ्रांस के राष्ट्रपति के रूप में फिर से चुने जाने पर बधाई! मैं भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने के लिए मिलकर काम करना जारी रखने के लिए तत्पर हूं।' रविवार को, एमैनुएल मैक्रों ने फ्रांस के राष्ट्रपति चुनाव में प्रतिद्वंद्वी मरीन ले पेन को आराम से हरा दिया और अपनी स्थिति बरकरार रखी। गृह मंत्रालय के आंकड़ों से पता चलता है कि 97 फीसदी वोटों की गिनती के साथ मैक्रों को 57.4 फीसदी वोट मिले। अपने विजय भाषण में, उन्होंने कहा, 'इस देश में कई लोगों ने मुझे वोट दिया, वे मेरे विचारों का समर्थन करते है। मैं उन्हें धन्यवाद देना चाहता हूं और जानना चाहता हूं कि आने वाले वर्षों में मैं उन पर कर्जदार हूं। फ्रांस में किसी को भी किनारे नहीं छोड़ा जाएगा। मैक्रों को बधाई देने के लिए विश्व नेताओं ने सोशल मीडिया का सहारा लिया। ब्रावो इमैनुएल यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल ने ट्विटर पर लिखा 'इस अशांत अवधि में, हमें एक ठोस यूरोप और एक फ्रांस की आवश्यकता है जो पूरी तरह से एक अधिक संप्रभु और अधिक रणनीतिक यूरोपीय संघ के लिए प्रतिबद्ध हो। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने सोमवार तड़के अपने ट्विटर अकाउंट पर लिखा, रचुनावी जीत पर राष्ट्रपति और एक सच्चे दोस्त एमैनुएल मैक्रों को बधाई।'

जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद-370 हटाने के खिलाफ दायर याचिका पर जुलाई में सुनवाई करेगा शीर्ष कोर्ट

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 हटाने के विरुद्ध दायर याचिका पर देश की सर्वोच्च अदालत जुलाई में सुनवाई करेगा। अदालत में दायर अर्जी में जम्मू-कश्मीर का दो केंद्र शासित प्रदेशों में पुनर्गठन करने और विशेष राज्य का दर्जा समाप्त करने पर भी सवाल उठाया गया है। अदालत ने अर्जी को लिस्ट करने की बात कही है और इस पर जुलाई में सुनवाई करने पर सहमति जताई है। वरिष्ठ अधिवक्ता शेख नफाडे ने चीफ जस्टिस की बेंच के समक्ष कहा कि यह धारा 370 का मामला है। अब तो जम्मू-कश्मीर में लोकसभा और विधानसभा की सीटों का परिसीमन भी चल रहा है। इस पर सीजेआई एनवी रमन्ना ने कहा, 'मैं देखता हूं।' इस पर नफाडे ने कहा कि आर्टिकल 370 हटाने को चैलेंज करने वाली अर्जी पर कम से कम जुलाई में गर्मियों की छुट्टियां समाप्त होने के बाद सुनवाई होनी चाहिए। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा कि छुट्टियों के बाद इस मसले को देखते हैं। यह मामला 5 जजों की बेंच का है। हमें बेंच आदि का पुनर्गठन करना होगा। बता दें कि 5 अगस्त, 2019 को आर्टिकल 370 हटाने, जम्मू-कश्मीर का दो हिस्सों में पुनर्गठन करने का फैसला लिया गया था। इसके दिसंबर, 2019 में अदालत में अर्जियां दाखिल की गई थीं, जिन्हें सुनवाई के लिए जस्टिस एनवी रमन्ना, जस्टिस संजय किशन कौल, आर. सुभाष रेड्डी, बीआर गवई और सूर्यकांत की अदालत में भेजा गया था। इनमें से एक जस्टिस आर. सुभाष रेड्डी इसी साल जनवरी में रिटायर हो चुके हैं। माना जा रहा है कि चीफ जस्टिस ने उनके रिटायरमेंट के चलते ही कहा कि वह बेंच के पुनर्गठन कर विचार करेंगे। तब अदालत में यह मसला उठा था कि क्या इस अर्जी को 7 जजों की बेंच के समक्ष भेजने की जरूरत है। इस पर अदालत ने 2 मार्च के अपने जजमेंट में कहा था कि इसे बड़ी बेंच के समक्ष भेजने की जरूरत नहीं है। उसके बाद से इन अर्जियों की लिस्टिंग नहीं हो पाई थी।

दिल्ली में प्रतिदिन बढ़ रहे कोरोना के केस स्वास्थ्य विभाग ने कहा-21 मरीज ऑक्सीजन सपोर्ट पर

नई दिल्ली । दिल्ली में प्रतिदिन कोरोना संक्रमण बढ़ रहा है और हर रोज कोविड मामलों में बढ़ोतरी हो रही है। इसी बीच दिल्ली स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा राजधमी में कोविड के मामलों में बढ़तरी के बावजूद अस्पताल में भर्ती मरीजों की संख्या काफी कम है। इतना ही नहीं इन मरीजों के लिए ऑक्सीजन और वेंटिलेटर सपोर्ट की भी कम आवश्यकता है। हाल ही में जारी हुए दिल्ली सरकार के आंकड़ों के अनुसार शनिवार तक शहर में 3705 एक्टिव कोरोना के मामले हैं। जिनमें से 101 मरीजों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, इससे साफ है कि दिल्ली के 9,489 अस्पताल के बिस्तरों में से लगभग 99/ खाली हैं। इसके साथ ही दिल्ली के अस्पतालों में भर्ती 101 रोगियों में से केवल 29 मरीज आईसीयू में थे, 19 को ऑक्सीजन सपोर्ट की आवश्यकता थी और चार गंभीर रूप से बीमार रोगियों को वेंटिलेटर सपोर्ट की आवश्यकता थी। वहीं शुक्रवार की कोविड अस्पतालों में भर्ती 94 मरीजों में से 28 मरीज आईसीयू में थे, 21 ऑक्सीजन सपोर्ट पर थे और दो मरीजों को वेंटिलेटर पर रखने की जरूरत थी। कोविड अस्पतालों में भर्ती होने वाले मरीज 90 से अधिक लोग या तो वरिष्ठ नागरिक हैं, जिनकी 75 वर्ष से अधिक आयु है। इसके साथ ही ये मरीज पहले से ही गंभीर बीमारियों से परेशान हैं, जिनमें कुछ मरीजों को कैंसर, ट्यूमर और फेफड़े और गुर्दे की समस्याएं भी हैं।

कोस्ट गार्ड ने पाकिस्तानी नौका से नौ तस्करों समेत 300 करोड़ की हेरोइन जब्त की

अहमदाबाद (एजेंसी)

गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ता एवं कोस्टकार्ड के संयुक्त ऑपरेशन में अरब सागर की भारतीय जल सीमा जखौ के पास से 300 करोड़ रुपए की हेरोइन जब्त की गई है। गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते व भारतीय तटरक्षक बल के संयुक्त ऑपरेशन में गुजरात के समुद्र के किनारे जखौ के पास एक पाकिस्तानी बोट अल हज को घेर कर उसकी तलाशी ली गई, जिसमें करीब 56 किलो मादक पदार्थ पकड़ा गया।

मादक पदार्थ हेरोइन बताया जा रहा है। एटीएस ने नौ पाकिस्तानी तस्करों को गिरफ्तार किया है। रक्षा विभाग के जनसंपर्क अधिकारी के अनुसार एटीएस व कोस्ट गार्ड ने मिलकर अरब सागर में भारतीय जल सीमा के अंदर एक पाकिस्तानी बोट को पकड़ा इसमें 9 लोग सवार थे। एटीएस पकड़े गए नौ पाकिस्तानी तस्करों को भी अपने साथ ले आई हैं।

गौरतलब है कि बीते कुछ माह पहले भी भारतीय तटरक्षक बल ने गुजरात के भारतीय जल क्षेत्र से एक पाकिस्तानी नौका को पकड़ा था जिसमें चालक दल के 10 सदस्य सवार थे। यह सब तब हुआ जब तटरक्षक जहाज 'अंकित' ने शनिवार रात अरब सागर में अपने ऑपरेशन के दौरान एक पाकिस्तानी नाव 'यासीन' को पकड़ा। इस नाव में चालक दल के साथ पाकिस्तानी नागरिक भी सवार थे।

आपको बता दें कि इससे पहले पाकिस्तान की नाव को बीएसएफ ने पंजाब के फिरोजपुर जिले में सीमा पर पकड़ा था। बीएसएफ के एक अधिकारी ने बताया था कि गश्त के दौरान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर नाव पकड़ी गई थी। ऐसी नावों का उपयोग करके दवाओं की खेप ले जाई जाती है। जाड़े में घने कोहरे का फायदा उठाकर पाकिस्तानी ड्रग्स सप्लाई करते हैं। पंजाब में हाल के दिनों में पाकिस्तान के कई ड्रोन भी पकड़े गए हैं। पिछले माह, भारतीय तटरक्षक बल और गुजरात एटीएस द्वारा एक संयुक्त अभियान चलाया गया था और भारतीय जल क्षेत्र में एक पाकिस्तानी नाव को रोका गया था। तलाशी के दौरान उसके पास से 77 किलो हेरोइन बरामद हुई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब 400 करोड़ रुपए आंकी गई है। इस दौरान पाकिस्तानी नाव से 6 लोगों को भी पकड़ा गया है।

पीएम मोदी के आवास पर नमाज-हनुमान चालीसा पढ़ना चाहती हैं एनसीपी नेता, शाह को लिखा पत्र

मुंबई (एजेंसी)

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की नेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास के बाहर नमाज समेत सभी धर्मों की प्रार्थनाएं करने की इच्छा जताई है। इस संबंध में केंद्रीय गृहमंत्री को पत्र भी लिखा है। हाल ही में अमरावती सांसद नवनीत राणा और उनके पति विधायक रवि राणा ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के आवास 'मातोश्री' के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ करने के बाद सियासत गरमा गई है। उनके ऊपर देशद्रोह की धाराएं लगाई गई हैं और कोर्ट ने दोनों को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

मुंबई उत्तर जिला कार्यकारी अध्यक्ष फहमीदा हसन खान ने गृहमंत्री शाह के नाम पत्र लिखा है। उन्होंने लिखा है कि कांदिवली मुंबई महाराष्ट्र से आपसे निवेदन करती हूं कि मुझे हमारे प्रिय भारत देश के लाड़ले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास के बाहर नमाज, हनुमान चालीसा, नवकार मंत्र, गुरु ग्रंथ और नोविनो पढ़ने की अनुमति दी जाए कृपया दिन और समय आप मुझे बताएं।

शनिवार को राणा दंपति ने सीएम आवास के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ करने की बात कही थी। इसके बाद बड़ी संख्या में शिवसेना कार्यकताओं ने राणा दंपति के घर के बार हंगामा किया। नवनीत राणा ने कानून और व्यवस्था पर चिंता जाहिर की थी और कहा था कि सीएम राज्य में बंगाल जैसी स्थिति तैयार कर रहे हैं।

पुलिस की तरफ से जारी बयान के अनुसार, विधायक रवि राणा और सांसद नवनीत कौर राणा के खिलाफ खार पुलिस स्टेशन में 153(ए), 34, समेत कई धाराओं में मामला दर्ज हुआ है। दोनों को खार स्थित आवास से हिरासत में ले लिया गया है। खार पुलिस स्टेशन की तरफ से आगे की जांच जारी है।

भारत ने इजरायल से खरीदा 'टैंकों का काल', एमआई 17 में लगेगी घातक स्पाइक एंटी टैंक मिसाइल

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारतीय वायुसेना ने अपने एमआई 17 हेलीकॉप्टर के फ्लीट में एक अतिरिक्त प्रणाली जोड़ने का निर्णय लिया है। जिसके अंतर्रगत अब भारत के एमआई 17 हेलीकॉप्टर्स में इजरायल की स्पाइक नॉन लाइन ऑफ साइट मिसाइल्स को शामिल किया जाएगा। मूलतः ये एक एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल्स होंगे। जिनका इस्तेमाल भारत के एमआई 17 हेलीकॉप्टर से किया जाएगा। इनकी रेंज करीब 30 किलोमीटर की बताई जा रही है। यानी की ये एक लॉन्ग रेंज की एंटी टैंक मिसाइल होने वाली है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इन्हें मुख्यतः पहाड़ी इलाकों में तैनात किया जाएगा। ताकी दुश्मनों के टैंक, सैन्य वाहनों को आसानी से निशाना बनाया जा सके।

भारतीय थल सेना की तरफ से एलआर 21 लांचर और मिसाइलों को शामिल करने की योजना है। वहीं वायुसेना रूस के एमआई 17 के हेलीकॉप्टर पर स्पाइक एनएलओएस मिसाइल लगा रही है। रक्षा विभाग के सूत्रों के अनुसार आपातकाल खरीद के तहत दोनों तरह की एंटी टैंक मिसाइलें की खरीद बहुत सीमित संख्या में की गई है। जिसमें कुछ रक्षा खामियों को दूर किया जा सके। जबकि बड़ी संख्या में एंटी टैंक मिसाइलों की आवशयकता है। मेक इन इंडिया प्रोजेक्ट के तहत मिसाइलों की खरीद करने का रास्ता तलाशा जा रहा है।

दिल्ली के मोहल्ला क्लीनिकों में मिलने वाली सेवाओं से 95 प्रतिशत रोगी खुश : केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में आम आदमी मोहल्ला क्लीनिकह्ल में आने वाले 95 फीसदी मरीज वहां दी जाने वाली सेवाओं से संतुष्ट हैं। उन्होंने पंजाब में अपने समकक्ष भगवंत मान को, यहां एक आदर्श मोहल्ला क्लीनिक और दिल्ली सरकार का एक स्कूल भी दिखाया। मान आम आदमी पार्टी (आप) के शासन के दौरान हुए सर्वोत्तम कार्यों के बारे में जानने के लिए शहर के दो दिवसीय दौरे पर हैं। एक मोहल्ला क्लिनिक में, मरीजों ने मान को बताया कि किसी व्यक्ति को इन क्लीनिकों में डॉक्टर से मिलने और निर्धारित दवाएं लेने में औसतन सिर्फ 10 मिनट का समय लगता है।

केजरीवाल ने मान को बताया, मोहल्ला क्लीनिक में आने वाले 95 प्रतिशत मरीज सेवाओं से खुश हैं। कोई भी व्यक्ति, चाहे वह किसी भी राज्य से हो, इन स्वास्थ्य केंद्रों में मुफ्त इलाज करवा सकता है। केजरीवाल ने कहा, हमने दिल्ली के सबसे पॉश इलाके - ग्रेटर कैलाश में दो मोहल्ला क्लीनिक खोले हैं और इन केंद्रों पर बहुत सारे अमीर मरीज भी आते हैं। उनका कहना है कि उन्हें ऐसी देखभाल कहीं और नहीं मिलती।

चिराग एन्क्लेव में सरकार द्वारा संचालित सर्वोदय बाल विद्यालय में, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने पंजाब के मुख्यमंत्री से कहा कि पार्टी ने दिल्ली में सत्ता में आने के बाद, स्कूल के प्रधानाचार्यों की एक बैठक बुलाकर शहर में शिक्षा प्रणाली को मजबूत करने के लिए उनके सुझाव मांगे थे। केजरीवाल ने पंजाब सरकार के अधिकारियों को बताया कि सरकारी स्कूलों के प्रधानाचार्यों को विदेश में प्रशिक्षण के लिए भेजा गया था और शिक्षकों को भारतीय प्रबंधन संस्थानों में प्रशिक्षित किया जा चुका है।

शिवसेना ने भाजपा पर साधा निशाना, हिंदुत्व एक संस्कृति है, अराजकता नहीं

मुंबई (एजेंसी)

महाराष्ट्र में हनुमान चालीसा के पाठ को लेकर उत्पन्न हुए राजनीतिक विवाद के बीच शिवसेना ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा और कहा कि हिंदुत्व विचारधारा एक संस्कृति है, अराजकता नहीं। शिवसेना ने अपने मुखपत्र 'सामना' के सम्पादकीय में दावा किया कि निर्दलीय सांसद नवनीत राणा और उनके पति एवं विधायक रवि राणा ने जो कुछ भी किया उसके पीछे भाजपा का हाथ था। गौरतलब है कि राणा दम्पत्ति को शनिवार को गिरफ्तार किया गया था।

उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के आवास 'मातोश्री' के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ करने की बात कही थी, जिससे शिवसेना के कार्यकर्ता बेहद आक्रोशित हो गए थे और उन्होंने दम्पति के आवास के आगे विरोध प्रदर्शन किया था। मराठी दैनिक पत्र में आरोप लगाया गया कि राणा दम्पति शहर का माहौल खराब करना चाहते हैं। सम्पादकीय में कहा गया कि उन्हें यह सब लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कार्यालय परिसर में करना चाहिए। सम्पादकीय में कहा गया, 'महाराष्ट्र में हिंदुत्व ठीक चल रहा है, क्योंकि इसका नेतृत्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे कर रहे हैं। राज्य में हनुमान चालीसा के पाठ पर कोई रोक नहीं है, लेकिन मातोश्री के बाहर इसे करने की जिद क्यों थी?' दैनिक पत्र में कहा गया, 'भाजपा द्वारा फैलाई अराजकता का समर्थन नहीं किया जाएगा। हिंदुत्व एक संस्कृति है, अराजकता नहीं।' मुंबई पुलिस ने राणा दंपत्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी और बाद में उसमें राजद्रोह का आरोप भी जोड़ दिया। रविवार को मुंबई की एक अदालत ने राणा दंपति को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। इसके बाद रविवार देर रात अमरावती से सांसद नवनीत राणा को भायखला महिला कारावास ले जाया गया था।

शिवसेना ने आरोप लगाया कि नवनीत राणा ने अमरावती से लोकसभा चुनाव लड़ते हुए फर्जी जाति प्रमाण पत्र दिया था। सम्पादकीय में कहा गया, 'हनुमान सत्य के मार्ग पर चलने वाले राम के अनुयायी हैं।

नवनीत राणा, जिनका आधार खुद झूठ पर बना है, वह हनुमान चालीसा के नाम पर राजनीति कर रही हैं और भाजपा इसका महिमामंडन कर रही है।' शिवसेना ने कहा, 'अगर भाजपा ऐसे फर्जी लोगों से हनुमान चालीसा का पाठ कराना चाहती है, तो यह भगवान राम और हनुमान का अपमान है।' पार्टी ने दावा किया कि नवनीत राणा ने कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) जैसी 'धर्मनिरपेक्ष' पार्टियों की मदद से 2019 का चुनाव जीता था, लेकिन अब वह भाजपा के खेमे में शामिल हो गई हैं। केंद्र सरकार पर कटाक्ष करते हुए मराठी दैनिक पत्र में कहा गया कि सभी को एक प्रस्ताव दिया जा रहा है कि ठाकरे सरकार के बारे में कुछ भी बुरा बोलें और केंद्रीय बलों की सुरक्षा पाएं। गौरतलब है कि नवनीत राणा को हाल ही में केंद्र सरकार ने केंद्रीय सशस्त्र कर्मियों से लैस वीआईपी सुरक्षा प्रदान की थी।

राजस्थान में भीषण गर्मी ने बढ़ाई पानी की किल्लत, जल मंत्री के आवास के बाहर परेशान लोगों का प्रदर्शन

जयपुर (एजेंसी)

राजस्थान भीषण गर्मी की चपेट में है। गर्मी की वजह से लोगों को पानी की किल्लत का भी सामना करना पड़ रहा है। यही कारण है कि अब उनका धैर्य जवाब दे रहा है। इन सबके बीच खबर यह है कि राजस्थान में पानी की किल्लत का सामना कर रही कुछ महिलाओं ने जल मंत्री महेश जोशी का खूब विरोध किया है। कुछ लोग तो महेश जोशी के बंगले तक भी पहुंच गए और जमकर नारेबाजी करने लगे। जनता की ओर से आरोप लगाया गया कि नेता तभी शक्ल दिखाते हैं, जब उन्हें वोट लेना होता है। लोगों की ओर से अधिकारियों का भी विरोध किया जा रहा है। फिलहाल आनन-फानन में सरकार की ओर से पानी सप्लाई बढ़ाने के निर्देश तो दे दिए गए हैं। लेकिन ऐसा कितने दिनों तक चलेगा यह भी देखने वाली बात है।

जल मंत्री का विरोध करते हुए लोगों ने कहा कि यह तो बिसलेरी की पानी पीते हैं, लेकिन हम कहां जाएं, हम किससे पीने के लिए पानी मांगे? दरअसल, पानी की कमी से राजस्थान की राजधानी जयपुर सहित कई जिले जूझ रहे हैं, जिसकी वजह से आम लोगों का जीवन नरक बन गया है। अपनी चमक से दुनिया को आकर्षित करने वाली जयपुर में लोगों को लंबे समय तक बिना पानी के रहना पड़ रहा है। कोटा में भी भीषण गर्मी की वजह से पानी की किल्लत बढ़ गई है। राजस्थान के कई इलाकों में तापमान 45 डिग्री से ऊपर है

जिसकी वजह से आम लोगों के लिए मुश्किलें और बढ़ती जा रही है। जयपुर में जब किसी मोहल्ले में पानी के टैंकर पहुंचती है तो लोगों की लंबी लाइन देखने को मिलती है।

भगवंत मान ने केजरीवाल के साथ सरकारी स्कूल का किया दौरा, बोले- बड़ी कंपनियों के सहयोग से हो रही डिजिटल शिक्षा

नयी दिल्ली। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान सोमवार को दिल्ली दौरे पर यहां पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ कालकाजी के डॉ. बीआर अंबेडकर स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस का दौरा किया। इस दौरान भगवंत मान के साथ पंजाब सरकार के शीर्ष अधिकारी भी मौजूद रहे। जिन्हें दिल्ली के शिक्षा निदेशक हिमांशु गुप्ता ने अहम जानकारी दी। समाचार एजेंसी के मुताबिक, मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बताया कि यह अगले स्तर की शिक्षा है। कुछ ऐसा जिसके बारे में बड़े स्कूल सोच भी नहीं सकते, उसे सरकारी स्कूलों ने लागू कर दिया है। डिजिटल शिक्षा हो रही है। बड़ी कंपनियों का सहयोग है। मैंने अमेरिका-कनाडा में ऐसे स्कूल देखे हैं लेकिन भारत में नहीं। उन्होंने कहा कि मैंने यहां कई छात्रों से बात की। उन्होंने यहां दाखिला लेने के लिए बड़े निजी स्कूलों को छोड़ दिया। उनका कहना है कि यहां सुविधाएं ज्यादा हैं। इन छात्रों के पास नए विचार हैं। माना जा रहा है कि भगवंत मान सरकारी स्कूल और मोहल्ला क्लीनिक के मॉडल को पंजाब में भी लागू करने का विचार कर रहे हैं। ऐसे में उन्होंने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की।

मनोज तिवारी ने दी थी नसीहत

भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने भगवंत मान को नसीहत दी थी कि अरविंद केजरीवाल के जाल में मत फंसना। उन्होंने कहा था कि भाई भगवंत मान जी आप केजरीवाल जी के जाल में मत फंसना, आप तो पुराने साथी रहे हो लोकसभा में भी, तो चलो 2-3 स्कूल और मोहल्ला क्लिनिक मैं अपनी नॉर्थईस्ट दिल्ली में दिखाता हूं। अब आप मुख्यमंत्री हैं सच तो देखना भी चाहिए, स्कूल के कमरों की कड़ी कुंडे वाली छत का दाम क्या होगा ये भी पता करेंगे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

गुजरात में 280 करोड़ रूपये मूल्य की हेरोइन बरामद

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात के समुद्र में एक पाकिस्तानी नौका पकड़ाई है जिससे 280 करोड़ रूपये मूल्य की हेरोइन बरामद हुई है। एक रक्षा प्रवक्ता ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि तटरक्षक बल को पाकिस्तानी नौका पर कुछ गोलियां चलानी पड़ीं क्योंकि इंटरसेप्टर पोत द्वारा चुनौती दिए जाने के बाद वह

भागने की कोशिश कर रही थी। उन्होंने कहा कि इसमें नौका के चालक दल के दो से तीन सदस्य मामूली रूप से घायल हो गए।

प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि तटरक्षक बल के जहाजों ने पाकिस्तानी नौका 'अल हज' को भारतीय जल सीमा में दाखिल होने पर चेतावनी दी और उसे पकड़ लिया। अधिकारियों को नौका में 280 करोड़ रूपये मूल्य की हेरोइन मिली। बयान में कहा गया है कि पाकिस्तानी नौका और उसके चालक दल के सदस्यों को आगे की जांच के लिए गुजरात के कच्छ जिले के जखाऊ बंदरगाह ले जाया गया। गुजरात के पुलिस महानिदेशक आशीष भाटिया ने कहा कि बरामदगी अरब सागर के भारतीय क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) से करीब 15 समुद्री मील दूर सुबह के समय हुई।

उन्होंने कहा कि तटरक्षक बल को पाकिस्तानी नौका पर कुछ गोलियां चलानी पड़ीं क्योंकि इसके चालक दल ने इंटरसेप्टर पोत द्वारा चुनौती दिए जाने के बाद भागने की कोशिश की। भाटिया ने यहां एटीएस मुख्यालय में कहा, "एटीएस द्वारा दी गई एक सूचना के आधार पर, तटरक्षक बल का एक पोत आईएमबीएल की ओर बढ़ा और उसने पाकिस्तानी नौका को आईएमबीएल पार करने के बाद भारतीय जलक्षेत्र में घूमते देखा। चूंकि पाकिस्तानी चालक दल ने चुनौती दिए जाने के बाद अपनी नौका के साथ तेजी से भागने की कोशिश की, इसलिए पीछा करने के दौरान तटरक्षक बल ने उन पर कुछ गोलियां चलाईं। गोलीबारी के कारण चालक दल के दो से तीन सदस्य मामूली रूप से घायल हुए हैं।' उन्होंने कहा कि एटीएस और तटरक्षक बल के अधिकारियों को पाकिस्तानी नौका में 280 करोड़ रूपये मूल्य की 56 किलोग्राम हेरोइन मिली। भाटिया ने कहा, "हालांकि हमें अभी तक प्रतिबंधित सामग्री के स्रोत और गंतव्य का पता नहीं चल पाया है, लेकिन हमें पता चला है कि इस रैकेट के पीछे कराची का तस्कर मुस्तफा है।"

सूरत में भाजपा द्वारा आयोजित आजादी का अमृत महोत्सव यात्रा मार्ग के बैनर पर कांग्रेस ने उठाया स्थानीय मुद्दे

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत शहर कांग्रेस पिछले कुछ दिनों से शहर के विभिन्न लोगों के सवालों को पढ़ने में सक्रिय रही है

कांग्रेस नेता दिनेश सावलिया ने कहा, 'हमारे क्षेत्र में कुछ अहम मुद्दे हैं. भारतीय जनता

स्थानीय मुद्दों पर भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ सवाल उठा रही है। खासकर विधायकों के दफ्तर जाकर विरोध दर्ज कराया जा रहा है. आज एक बार फिर कांग्रेस द्वारा अलग-अलग इलाकों में बैनर लगाकर विरोध दर्ज कराया गया. कांग्रेस स्थानीय मुद्दों पर भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को घेरने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनाव के लिए अलग-अलग कार्यक्रम देकर पार्टी के शासक विकास पर सीटी बजा रहे हैं। लेकिन स्थानीय लोग कई सवालों से त्रस्त हैं। यहां तक कि मानसून के दौरान भी हमारे क्षेत्र में खुले मैदान होते हैं। इसने कई लोगों के लिए कई स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कीं। बार-बार खाड़ी में बदबूदार पानी या मच्छरों के प्रकोप की रिपोर्ट के बावजूद निगम अधिकारियों द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। इसलिए हमने आज एक बार फिर बैनर लगाकर विरोध किया है।

डिमोलिशन या राजनीतिक कार्यवाही ?

मनपा अधिकारी क्यों गई डिमोलिशन करने दबाव में या अधिकारी ने अपना फर्ज निभाया ?

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सुरत, सुरत मनपा की टीम कतारगाम में डिमोलिशन करने गई टीम पर महिलाओं के द्वारा विरोध करने पर पुलिस बुलाकर सुरत मनपा ने अपना कार्य किया. साथ ही प्रदर्शन कर रही महिलाएं ने अधिकारी के सामने अनेक सवाल खड़े किया की बिल्डरों के द्वारा बनाया जा रहे कार्य पर कार्यवाही क्यों नही किया जा रहे, अवैध रूप से बनाया जा रहे निति-नियम के विरूद्घ में फरियाद करने के बाद भी सुरत

मनपा के अधिकारी कार्यवाही नही करते क्यों रेसीडेन्सी पर ही तुरंत कार्यवाही किया जाता है?

सूत्रों के अनुसार जिस जगह पर अधिकारी व्यक्तिगत रूप से संतोषजनक जवाब नही मिलने के कारण इस प्रकार की कार्यवाही किया जाता हैं, जिससे इस प्रकार के कार्य करने वाले के आर्थिक रूप से नुकशान हो, लेकिन इस प्रकार के कार्यवाही करने में शासन-प्रशासन का दुरूपयोग कर अधिकारी अपने मतलब इस प्रकार की कार्यवाही कर अपने पद की गरिमामय को तार-तार करते हुए नजर आते हैं ?

असम पुलिस ने जमानत मिलने के बाद विधायक जिग्नेश मेवाणी को किया गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ ट्वीट करने के मामले में उत्तरी गुजरात के वडगाम से निर्दलीय विधायक जिग्नेश मेवाणी को असम पुलिस ने गत गुरूवार की देर रात गिरफ्तार कर असम ले गई थी। इस मामले में जिग्नेश मेवाणी को जमानत मिलने के बाद असम पुलिस ने एक नए केस में दोबारा उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। पहले असम की कोकराझार पुलिस ने जिग्नेश को गुजरात के पालनपुर से गिरफ्तार किया था। अब असम की बरपेटा पुलिस ने जिग्नेश को गिरफ्तार किया है। हांलाकि अभी यह नहीं पता चला है कि जिग्नेश मेवाणी को दोबारा किस मामले में गिरफ्तार किया गया है। पत्रकारों से बातचीत में जिग्नेश मेवाणी ने आज अपनी गिरफ्तारी को भाजपा और आरएसएस की साजिश बताया और कहा कि ये दोनों मेरी छवि खराब करना चाहते हैं। भाजपा और आरएसएस

ने रोहित वेमुला के साथ यही किया, चंद्रशेखर आजाद के साथ भी यही किया और अब मुझे टार्गेट कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक निर्दलीय विधायक जिग्नेश मेवाणी के खिलाफ आपराधिक षडयंत्र, पूजा स्थल संबंधित अपराध, धार्मिक भावनाएं भड़काने और उकसाने का आरोप लगाया गया है। भाजपा नेता अरूप कुमार डे का आरोप है कि मेवाणी का ट्वीट किसी एक समुदाय के लोगों को एक वर्ग के खिलाफ भड़काने का प्रयास है। निजी चैनल से बातचीत में अरूप कुमार डे ने कहा कि मेवाणी अपने पद के जरिए लोगों को विभाजित करने का प्रयास कर रहे हैं और हमेशा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ नकारात्मक बोलते हैं। हम खुशनसीब हैं कि नरेन्द्र मोदी हमारे प्रधानमंत्री हैं और जिग्नेश मेवाणी उनका नाम हाल की हिंसाओं से जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। मेवाणी गोडसे को प्रधानमंत्री का भगवान बताकर क्या सिद्ध करना चाहते हैं।